

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-8> स्टार्टअप की अपार संभावनाएं...



इस्तीफा देने नहीं जाऊंगी: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद सियासी माहौल गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए चुनाव प्रक्रिया पर ही सवाल खड़े कर दिए। ममता बनर्जी ने दावा किया कि इस चुनाव में न सिर्फ प्रशासनिक स्तर पर गड़बड़ियां हुईं, बल्कि काउंटिंग के दौरान उनके साथ

दुर्व्यवहार भी किया गया। टीएमसी ने चुनाव परिणामों की समीक्षा के लिए 10 सदस्यीय टीम बनाई है। पार्टी हार के कारणों और कथित अनियमितताओं की जांच करेगी। जब मीडिया ने उनसे लोकभवन जाकर इस्तीफा देने के बारे में सवाल किया तो ममता भड़क गईं। उन्होंने कहा, %में क्यों जाऊंगी ? हम तो हारे



नहीं हैं, जो जाएंगे। अगर मैं जीत गई होती तो शपथ से पहले इस्तीफा देने जाती। लोकभवन जाने का कोई सवाल

ही पैदा नहीं होता। चोरी करके जीतने से उन्हें अगर लगता है कि मुझे इस्तीफा देना होगा तो ऐसा नहीं होगा।% उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट कहती हूं कि हम हारे नहीं हैं। उन्होंने जबर्न हमें हराया है। चुनाव आयोग के साथ मिलकर वो जीते हैं, लेकिन नैतिक तौर पर मेरी जीत हुई है।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग की

भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया आयोग इस चुनाव में लोगों के संवैधानिक अधिकारों को लूटने और ईवीएम को लूटने वाला खलनायक बन गया। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वोटिंग के बाद ईवीएम में 80-90% चार्ज है? यह कैसे हो सकता है?

उन्होंने आरोप लगाया चुनाव से दो

दिन पहले, उन्होंने हमारे लोगों को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। उन्होंने हर जगह छापेमारी करना शुरू कर दिया। उन्होंने सभी आईपीएस और आईएएस अधिकारियों को बदल दिया।उन्होंने अपनी पार्टी से लोगों को चुना और भाजपा ने सीधे चुनाव आयोग के साथ मिलकर खेल खेला।

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती पर शपथ लेगी भाजपा सरकार

9 मई को बंगाल में नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा की पहली सरकार 9 मई (शनिवार) को बनेगी, जो रवींद्रनाथ टैगोर के जन्मदिन के साथ मेल खाती है। भारतीय जनता पार्टी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करारी शिकस्त दी और ममता बनर्जी के 15 साल के शासनकाल का अंत कर दिया। इस जीत के साथ भाजपा पहली बार राज्य में सरकार बना रही है, जिसे लंबे समय से पूर्वी भारत में विपक्ष का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सामिक भट्टाचार्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 9 मई को होगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर लोगों ने भाजपा का झंडा लेकर तोड़फोड़ की। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यदि कोई ऐसा करता है, तो हमें उसे पार्टी से निष्कासित करने के लिए विवश होना पड़ेगा... पश्चिम बंगाल के लिए पूरे देश में जश्न मनाया गया... अब हमारे सामने बहुत बड़ी चुनौतियाँ हैं। हम उनका सामना करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। हम अपने कार्यकर्ताओं से शांति बनाए रखने और किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाने का आग्रह करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्टाचार्य ने प्रवासी मजदूरों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने कई मुश्किलों के बावजूद अपने पैसे खर्च करके वोट डालने के लिए यात्रा की। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को वह सलाम करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के कई हिस्सों जैसे टोरंटो, डलास, सिलिकॉन वैली, कोपेनहेगन, जर्मनी और यूके से भी लोग वोट देने आए। आगे उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य सिर्फ सरकार या मुख्यमंत्री बदलना नहीं है, बल्कि पूरे राजनीतिक माहौल को बदलना है, जो उनके मुताबिक सामाजिक रूप से दबाव वाला बन गया है। वे समाज में फिर से विविधता और संतुलन लाना चाहते हैं। उन्होंने डबल इंजन सरकार की बात करते हुए कहा कि पार्टी के घोषणापत्र को केंद्र और राज्य दोनों स्तर पर मिलकर तैयार किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की भी भागीदारी रही। उन्होंने भरोसा जताया कि जो वादे किए गए हैं, उन्हें



जरूर पूरा किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में शानदार जीत दर्ज पूर्वी भारत के उस अहम गढ़ में प्रवेश कर लिया, जहां एक दशक से अधिक समय तक वह अपने विस्तार के बावजूद संंध नहीं लगा पाई थी। यह निर्णायक जीत केवल चुनावी गणित तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने राज्य में ममता बनर्जी के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को भी बड़ा झटका दिया है और क्षेत्रीय राजनीतिक परिदृश्य को नया आकार दिया है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में वोटिंग के बाद 4 मई को मतों की गणना हुई। जिसमें सत्ता थारी दल तृणमूल कांग्रेस को मात्र 80 सीटें मिली हैं, जबकि भाजपा ने 206 सीटों पर कब्जा जमाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को जीत के बाद सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, पश्चिम बंगाल में कमल खिला! 2026 का विधानसभा चुनाव हमेशा याद रखा जाएगा। जनता की शक्ति की जीत हुई है और सुशासन की राजनीति की विजय हुई है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में सीमित उपस्थिति से शुरू हुई भाजपा की यात्रा 2019 के लोकसभा चुनाव में तेज उभार और 2021 के विधानसभा चुनाव में कुछ झटकों के बाद अब एक निर्णायक जनादेश में बदल गई है। राष्ट्रीय स्तर पर यह जीत भाजपा की राजनीतिक कथा को और मजबूत करती है तथा उसके निरंतर विस्तार और मजबूती की धारणा को बल देती है। साथ ही, यह केंद्रीय नेतृत्व और क्षेत्रीय नेताओं की भूमिका को भी सुदृढ़ करती है।

अमित शाह बंगाल तो जेपी नड्डा असम के लिए बने पर्यवेक्षक

नई दिल्ली। भाजपा आलाकमान ने दोनों अहम राज्यों में विधायक दल के नए नेता के चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों और सह-पर्यवेक्षकों के नामों की आधिकारिक घोषणा कर दी। पश्चिम बंगाल जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील और महत्वपूर्ण राज्य में यह बड़ी जिम्मेदारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दी गई है।

वहीं, पूर्वोत्तर के सबसे अहम राज्य असम के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इन दोनों दिग्गज नेताओं के साथ-साथ दो राज्यों के मौजूदा मुख्यमंत्रियों को भी बतौर सह-पर्यवेक्षक जोड़ा गया है, ताकि स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए सही फैसला लिया जा सके।

पश्चिम बंगाल हमेशा से ही भाजपा के लिए एक प्रमुख राजनीतिक रणभूमि रहा है। यहां विधायक दल का नेता चुनने की प्रक्रिया को शांतिपूर्ण और सर्वसम्मति से निपटाने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है।

उनके इस काम में पूरी मदद करने के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। अमित शाह की गहरी रणनीतिक समझ और मोहन चरण माझी का अनुभव मिलकर बंगाल में भाजपा के विधायकों के बीच से एक मजबूत नेता का चुनाव करेंगे, जो विधानसभा में पार्टी की आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सके।

असम में भी भाजपा ने अपने संगठन को एकजुट रखने और एक योग्य नेता के चुनाव के लिए कड़े और ठोस कदम उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को असम में पार्टी के विधायी दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को केंद्रीय सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है। यह दोनों वरिष्ठ नेता असम जाकर सभी नवनिर्वाचित विधायकों के साथ सीधी बैठक करेंगे और उनकी राय जानने के बाद ही विधायक दल के नेता के नाम पर अंतिम मुहर लगाएंगे। इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया से पार्टी के भीतर किसी भी तरह की गुटबाजी को रोकने में मदद मिलेगी।



मोदी और शाह की चुनावी रणनीति गजब की होती है : शशि थरूर

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और संगठन क्षमता की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इन नेताओं ने पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में प्रभावी प्रदर्शन किया है, जो उनकी मजबूत संगठन शक्ति और चुनाव संचालन की दक्षता को दर्शाता है। थरूर ने कहा कि इन दोनों नेताओं की कार्यशैली पेशेवर है और वह चुनाव अभियान में संसाधनों का व्यापक उपयोग करते हैं।

थरूर ने यह भी स्वीकार किया कि अन्य दलों विशेषकर कांग्रेस, को इस प्रकार की रणनीति और संगठन से सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्ता में आने के बाद इन नेताओं का संदेश देश को जोड़ने वाला होगा, न कि विभाजन करने वाला। इसके साथ ही थरूर ने कांग्रेस की स्थिति पर भी स्पष्ट टिप्पणी की। उन्होंने केरल में कांग्रेस की जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह उदाहरण दर्शाता है कि यदि पार्टी सही रणनीति अपनाए तो अन्य राज्यों में भी सफलता प्राप्त कर सकती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस को अब गंभीर आत्ममंथन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी पहले भी इस आवश्यकता को स्वीकार कर चुकी है, लेकिन अब समय आ गया है कि इसे व्यवहार में उतारा जाए।

थरूर ने कहा कि केरल में जो रणनीति सफल रही, उसका विश्लेषण कर उसे अन्य राज्यों में लागू करने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि केवल चुनावी परिणामों पर प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि संगठनात्मक स्तर पर ठोस बदलाव करने होंगे। उनका मानना ​​है कि कांग्रेस को अपनी कार्यप्रणाली, संसाधन प्रबंधन और जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आए चुनाव परिणामों पर टिप्पणी करते हुए थरूर ने दोहराया कि पार्टी के सामने चुनौती स्पष्ट है और उससे निपटने के लिए ठोस रणनीति जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कांग्रेस केरल जैसी



सफलता को दोहरा पाती है, तो वह राष्ट्रीय स्तर पर फिर से मजबूत स्थिति हासिल कर सकती है। देखा जाए तो थरूर का बयान एक तरफ राजनीतिक प्रतिस्पर्धियों की क्षमता को स्वीकार करने का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर अपनी ही पार्टी के लिए सुधार और पुनर्गठन का स्पष्ट संदेश भी देता है।

ममता की हार पर जश्न क्यों? राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं को फटकारा

बंगाल में भाजपा की भारी जीत के एक दिन बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टीएमसी का मजाक उड़ाने और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हार पर खुशी मनाने के लिए कांग्रेस और अन्य पार्टियों के नेताओं की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि विपक्ष की हार भाजपा के भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने के अभियान में एक बड़ा कदम मात्र है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ लोग और अन्य लोग टीएमसी की हार पर खुशी मना रहे हैं। उन्हें यह स्पष्ट रूप से समझने की जरूरत है- असम और बंगाल के जनादेश की चोरी भाजपा द्वारा भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने के अभियान में एक बड़ा कदम है। छोटी राजनीति को एक तरफ रख दें। यह किसी एक पार्टी या दूसरी पार्टी के बारे में नहीं है। यह भारत के बारे में है।

राहुल ने कहा कि यह बात कांग्रेस के कुछ लोगों और उन दूसरे लोगों को अच्छी तरह समझने की जरूरत है जो पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार से खुश हो रहे हैं। भाजपा पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 206 सीटें जीतकर पहली बार सरकार बनाने जा रही है। उसने असम में जीत की हैट्रिक लगाई है।

ममता बनर्जी को हार मान लेनी

चाहिए : सुकांता मजूमदार

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल और केरल दोनों में लोकतंत्र की जीत हुई, लेकिन बंगाल में यह एक समस्या बन गया। आप किसी भी पक्ष को चुन लीजिए। गृह मंत्री अमित शाह पर अभिषेक बनर्जी की टिप्पणियां नागण्य हैं। सरकार बनने दीजिए, मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होने दीजिए,

उसके बाद मुख्यमंत्री तय करेंगे कि किसे प्राथमिकता देनी है। हालांकि, एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में मैं कहता हूं कि राष्ट्रीय हित भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता है।केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से हार स्वीकार करने को कहा और इस बात पर जोर दिया कि हिंदू मतदाताओं की संख्या में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और जो भी राजनीतिक दल उनके जनादेश पर सवाल उठाएगा, उसका अंततः पतन होगा। ममता बनर्जी को शालीनता से अपनी हार स्वीकार कर लेनी चाहिए। सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ और हाथापाई के आरोप उठ पर शोभा नहीं देते; उन्हें ऐसे आरोप लगाने से बचना चाहिए।



वुनाव के बाद की हिंसा किसी भी

रूप में बर्दाश्त नहीं : भट्टाचार्य

नईदिल्ली। पश्चिम बंगाल में भाजपा की शानदार जीत के एक दिन बाद, प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने आज प्रशासन से चुनाव के बाद की हिंसा करने वालों के खिलाफ दृढ़ता से कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्यों में शामिल पाए जाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। भट्टाचार्य ने पार्टी

की बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि हिंसा में शामिल लोगों पर सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने कहा, चुनाव के बाद की हिंसा किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि हमारी पार्टी का कोई भी व्यक्ति इसमें शामिल पाया जाता है, तो हम उसे हटाने के लिए मजबूर होंगे। भाजपा नेता ने मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से भी अपील की कि जहां भी हिंसा की घटनाएं सामने आए, वहां तत्काल प्रशासनिक हस्तक्षेप सुनिश्चित किया जाए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, आज भाजपा के विधाननगर कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई। इसमें केंद्रीय पर्यवेक्षक और वरिष्ठ राज्य नेता शामिल थे, जिन्होंने परिणाम के बाद हिंसा को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की।



भाजपा ने जनतंत्र को हाइजैक

कर लिया है: केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जनतंत्र की हत्या करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे देश में कोई भी पार्टी जीत कर आ जाए, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि एजेंसियां लगाकर विधायकों को तोड़कर सरकारें गिरा देते हैं। श्री केजरीवाल ने



पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के साथ दिल्ली आए पार्टी के विधायकों के साथ कपूरथला हाउस में सावध किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि आज पूरे देश में बहुत बड़ा संकट छाया हुआ है। भाजपा ने जनतंत्र को हाइजैक कर लिया है, जनतंत्र की हत्या कर दी है। पूरे देश में कोई भी पार्टी जीत कर आ जाए, इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता है। इसके बाद ये ईडी-सीबीआई और पैसे से उस पार्टी के विधायक तोड़ लेते हैं, पार्टियां तोड़ लेते हैं, जेल भेज देते हैं और सरकारें गिरा देते हैं। सोमवार को पश्चिम बंगाल चुनाव का आया परिणाम कोई चुनाव नहीं था। पिछले 3-4 महीने से हम देख रहे हैं कि पश्चिम बंगाल के अंदर तांडव चल रहा है।

हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए

एकजुट होना चाहिए: राहुल

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस के भीतर उभरे मतभेदों पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपनी ही पार्टी के नेताओं को कड़ी सीहत दे दी है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (तृणमूल कांग्रेस) की हार पर खुशी जताने वाले नेताओं की आलोचना करते हुए इसे छोटी राजनीति करार दिया। सोशल मीडिया



‘प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर किए गए पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, कि कुछ कांग्रेसी और अन्य विपक्षी दल टीएमसी की हार पर जश्न मना रहे हैं, जबकि उन्हें व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को समझने की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को कमजोर करने की दिशा में काम कर रही है और असम व बंगाल के जनादेश की चोरी इसी का हिस्सा है। उन्होंने स्पष्ट कहा, यह किसी एक पार्टी का नहीं, बल्कि पूरे देश का मामला है। छोटी राजनीति को दरकिनार कर हमें लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए। यह बयान ऐसे समय में आया है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी पश्चिम बंगाल में सत्ता से बाहर होने जा रही है।

7 मई को विजय ले सकते हैं

सीएम पद की शपथ

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव हारने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को अपना इस्तीफा दे दिया। इस बीच, राजनीति में नवार्गतुक और तमिलनाा वेट्टी कपगम (टीवीके) के संस्थापक और अभिनेता-राजनेता विजय ने आज राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलैंकर से अगली सरकार बनाने के लिए औपचारिक रूप से अपना दावा पेश करने के लिए मुलाकात का समय मांगा है।श्री स्टालिन ने राज्यपाल को अपना त्यागपत्र भेज दिया है और इसे लोक भवन में सौंप दिया गया है। इसी बीच विजय ने सरकार बनाने का दावा पेश किया और राज्यपाल को पत्र



लिखकर मिलने का समय मांगा है।रिपोर्टों के अनुसार, लोक भवन को भेजे गए एक ईमेल में विजय ने कहा कि उनकी पार्टी ने 108 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में जनादेश प्राप्त कर लिया है और सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने की हकदार है। उन्होंने कहा हम 108 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी हैं और सरकार बनाने का अधिकार रखते हैं। हम अपना बहुमत साबित करने का अवसर चाहते हैं।

बंगाल की सियासत

शून्य से शिखर तक भाजपा का सफर

राज कुमार सिन्हा

पश्चिम बंगाल में लंबे समय तक ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्य के नेतृत्व में वाम मोर्चा का शासन रहा, जो 1977 से 2011तक रहा। लगभग 34 वर्षों तक चले वाम मोर्चा शासन ने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया।इस दौरान भाजपा का प्रभाव लगभग नागण्य था। 2011 में ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस(टीएमसी) ने सत्ता हासिल की और वामपंथी शासन का अंत हुआ।इन पंद्रह वर्षों में टीएमसी ने वाम दलों को लगभग खत्म कर दिया। इससे एंटी-टीएमसी वोट के लिए भाजपा एकमात्र विकल्प बन गई। यानी भाजपा का उभार

राजनैतिक शून्यता भरने से जुड़ा हुआ है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार शुरू किया। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा ने अपनी संगठनात्मक ताकत बढ़ाई। 2014 में भाजपा को सीमित सफलता मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतकर बड़ा उछाल दिखाया और 2021 में 77 सीटें जीतकर अपना इरादा दिखा दिया था। भाजपा का वोट शेयर भी तेजी से बढ़ा। टीएमसी से कई नेता भाजपा में शामिल हुए और भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन खड़ा किया। भाजपा ने टीएमसीपर मुस्लिम तृष्ठीकरण का आरोप लगाया। इससे हिंदू वोटों का

क्षवीकरण हुआ जिससे भाजपा के लिए यह एक राजनीतिक अवसर बना। 2021 में भाजपा ने जोरदार अभियान चलाया, लेकिन टीएमसी ने भारी जीत दर्ज की थी। जिसका मुख्य कारण था कि ममता बनर्जी की व्यक्तिगत छवि मजबूत रही और उन्हें बंगाल की बेटी के रूप में पेश किया गया था। भाजपा को बाहरी पार्टी के रूप में प्रस्तुत किया गया था। जिसके कारणबंगाल बनाम बाहरी नरैटिव प्रभावी रहा। कन्याश्री, रूपाश्री, स्वास्थ्य साथी जैसी योजनाओं के कारणमहिलाओं का बड़ा समर्थन टीएमसी को मिला था। 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टकरा रही,



लेकिन टीएमसी ने अपनी पकड़ बनाए रखी।यह सवाल अक्सर उठता है कि क्या ममता बनर्जी की नीतियों ने भाजपा को पश्चिम बंगाल में जगह बनाने का अवसर दिया? ममता बनर्जी का भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर काम करने का एक लंबा और महत्वपूर्ण इतिहास रहा है। कांग्रेस से अलग होने

के बाद, ममता बनर्जी ने 1 जनवरी 1998 को टीएमसी का गठन किया। उसी वर्ष, उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया ताकि पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बनाया जा सके।1999 के लोकसभा चुनावों के बाद, टीएमसी भी एनडीए का हिस्सा बना और ममता बनर्जी को केंद्र सरकार में रेल मंत्री बनाया गया। वे इस पद पर 2001 तक रहीं। 2001 में तहलका रक्षा सौदे के खुलासे के बाद, उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ लिया और इस्तीफा दे दिया। हालांकि, 2003 में वे फिर से हष्ट में शामिल हो गईं और 2004 के लोकसभा चुनाव तक वाजपेयी सरकार

में कोयला और खान मंत्रालय संभाला।2004 के लोकसभा चुनाव और 2006 के बंगाल विधानसभा चुनाव में भी टीएमसी और भाजपा ने गठबंधन में मिलकर चुनाव लड़ा था। 2006 में विधानसभा चुनावों में हार के बाद, ममता बनर्जी ने धीरे-धीरे भाजपा से दूरी बना ली और बाद में कांग्रेस के साथ गठबंधन करके 2011 में बंगाल में सत्ता हासिल की, जिसके बाद उनके दौर में, ममता बनर्जी को भाजपा के साथ सहयोग करने से बंगाल में खुद को एक बड़ी नेता के रूप में स्थापित करने में मदद मिली। बंगाल की चुनावी राजनीति में लंबे समय से हिंसा और

भय का तत्व भी एक निर्णायक कारक रहा है। इस बार भाजपा का निर्वाचन आयोग ने करीब ढाई लाख केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की अभूतपूर्व तैनाती कर मतदान प्रक्रिया को अपेक्षाकृत अधिक नियंत्रित और स्वतंत्र बनाने की कोशिश किया। नतीजा यह हुआ कि कथित स्थानीय प्रभाव और भय का वह ढांचा, जो पहले कई क्षेत्रों में निर्णायक माना जाता था, काफी हद तक निष्प्रभावी रहा और असली जनमत अधिक स्पष्ट रूप में सामने आया। इस चुनाव ने धारना बदल दिया कि सिर्फ पहचान की राजनीति, बंगाली अस्मिता या सड़क पर आक्रामक विरोध ही सत्ता बनाए रखने के लिए काफी नहीं है।

झारखंड शराब घोटाला मामले में अनिल टुटेजा को हाईकोर्ट से मिली जमानत

बिलासपुर। निर्लंबित आईएएस अफसर अनिल टुटेजा को कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश पीपी साहू ने उन्हें अग्रिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने अनिल टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने की सख्त हिदायत दी गई है। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर अनिल टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं तो जांच एजेंसी को उनकी जमानत रद्द कराने के लिए आवेदन करने की छूट होगी। उल्लेखनीय हैं कि करीब एक सप्ताह पहले छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ घोटाला और



मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे अनिल टुटेजा की जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। ऐसे में इस मामले में जमानत मिलने के बावजूद अनिल टुटेजा का जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

दरअसल, आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने अनिल टुटेजा

पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और आईपीसी की धारा 420, 120बी के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि टुटेजा और अन्य आरोपियों ने झारखंड में छत्तीसगढ़ के आबकारी मॉडल को तर्ज पर अवैध शराब का कारोबार चलाने के लिए सिंडिकेट बनाया था। इस सिंडिकेट ने झारखंड की

आबकारी नीति में बदलाव करवाकर अपने पसंदीदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया और करोड़ों रुपए का अवैध कमीशन कमाया। अनिल टुटेजा ने इस मामले में गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी, जिसमें तर्क दिया गया कि यह एवरग्रीन अरेस्ट यानी हमेशा जेल में रखने की साजिश का मामला है। जब भी एक मामले में जमानत मिलने वाली होती है तो जेल में रखने के लिए एक नई एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। याचिका में बताया गया कि पिछले 5 सालों में 5 अलग-अलग एजेंसियों ने छापेमारी की, लेकिन टुटेजा के पास से एक भी रुपए की बेहिसाब संपत्ति नहीं मिली। जांच एजेंसी के पास कोई डिजिटल सबूत, कॉल रिकॉर्ड या

वित्तीय लेनदेन का प्रमाण भी नहीं है, जो अनिल टुटेजा को झारखंड के अधिकारियों से जोड़ता हो। राज्य सरकार की ओर से जमानत का विरोध करते हुए अनिल टुटेजा को चावल मिलिंग, डीएमएफ, कोयला और शराब जैसे कई घोटालों का मास्टरमाइंड बताया गया। सरकार का तर्क था कि टुटेजा ने रायपुर में बैठकें कर झारखंड के अधिकारियों के साथ साजिश रची, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि सिंडिकेट मॉडल के जरिए बेहिसाब संपत्ति अर्जित की गई है। हाईकोर्ट ने तथ्यों के आधार पर पाया कि टुटेजा पिछले दो सालों से जेल में हैं, लेकिन ईओडब्ल्यू ने इस नए मामले में उनसे पूछताछ करने का कोई प्रयास नहीं किया। हाईकोर्ट

ने टिप्पणी की कि जब वे पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे, तो जांच एजेंसी ने उसे पूछताछ के लिए बुलाते या गिरफ्तार करने की अनुमति कोर्ट से क्यों नहीं मांगी। इसके अलावा झारखंड पुलिस ने टुटेजा को अपने मामले में आरोपी नहीं बनाया है और वहां के कुछ आरोपियों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। हाईकोर्ट ने टुटेजा को 50 हजार रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि की दो सॉल्वेंट जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही उन्हें जांच में सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने की हिदायत दी गई है। अगर टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच एजेंसी को जमानत रद्द कराने के लिए आवेदन करने की छूट दी गई है।

बालोद के सरकारी स्कूल में शौचालय निर्माण में बड़ा भ्रष्टाचार, प्राचार्य ने की शिकायत



■ **गुरुर ब्लॉक के ग्राम मोहरा का मामला है. शौचालय में घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगा है.**

बालोद। गुरुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम मोहरा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बनाए जा रहे शौचालय में भारी अनियमितता सामने आई है। घटिया निर्माण और निम्न स्तर की सामग्री को देखकर स्कूल प्रबंधन ने कड़ी नाराजगी जताई है। वहीं ठेकेदार के कार्य को लेकर काफी नाराजगी है और लाइसेंस कैंसिल कराने की अनुशंसा भी प्रबंधन के माध्यम से की जाएगी। विद्यालय परिसर में 1 लाख 3 हजार रुपये की लागत से शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। प्राचार्य जोसेफ चाको ने बताया कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही टाइल्स और अन्य सामग्री की गुणवत्ता

बेहद खराब है। निर्माण स्थल पर नियमानुसार कार्य प्रारंभ तिथि और विवरण का बोर्ड भी लगाया गया है। निर्माण की बदहाली को देखते हुए प्राचार्य ने शिक्षा विभाग और संबंधित निर्माण एजेंसी को इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। प्राचार्य के कड़े रुख के बाद अब निर्माण कार्य जांच के दायरे में है। बालिकाओं के लिए नया शौचालय बनाया जा रहा है। इसके लिए 1 लाख 3 हजार रुपये आवंटित किया गया था। निर्माण कार्य संतोषजनक नहीं होने पर जिला पंचायत, कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, जिला शिक्षा अधिकारी सहित चार जगह आवेदन भेजा है- जोसेफ चाको, प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मोहरा सरकार जहां बच्चों को स्वच्छ और जलवाहित शौचालय देने का वादा करती है, वहीं इस तरह की लापरवाही बच्चों के मनोबल को गिराती है।

सुकमा पुलिस ने 52 गुम मोबाइल बरामद कर मालिकों को लौटाए

सुकमा। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुम और चोरी हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में सुकमा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुल 52 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया है।

इन मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह मोबाइल छत्तीसगढ़ के साथ-साथ ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे सीमावर्ती राज्यों से ट्रेस कर बरामद किए गए हैं।



मोबाइल मिलने के बाद उनके मालिकों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आई और उन्होंने पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस पूरी कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नक्सल

ऑप्स) रोहित शाह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा और उप पुलिस अधीक्षक मोनिका श्याम के निर्देशन व पर्यवेक्षण में साइबर सेल की विशेष टीम गठित की गई थी। टीम का नेतृत्व साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कश्यप ने किया।

अस्पताल में ड्यूटी के दौरान हुआ हादसा, मुआवजे के लिए सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन कर रहे परिजन

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले से बेहद विचलित करने वाला मामला सामने आया है, जहां अस्पताल में ड्यूटी के दौरान महिला गार्ड की मौत के बाद परिजनों ने इंसाफ की मांग को लेकर सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है।

जनकारी के मुताबिक, शहर के मणिपुर थाना क्षेत्र स्थित संकल्प हॉस्पिटल में बीते दो वर्षों से कार्यरत महिला गार्ड की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला जनरेटर में डीजल भर रही थी, इसी दौरान उसकी चुन्नी मशीन में फंस गई, जिससे यह हादसा हो गया।



घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। इसी के विरोध में परिजन संकल्प हॉस्पिटल के सामने सड़क पर महिला का शव

रखकर प्रदर्शन कर रहे। परिजन 50 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शन के चलते तनाव की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। परिजनों को समझाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्क्रेप व्यापारी के घर लाखों की चोरी



दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में इन दिनों चोरों के हाँसेल बुलंद नजर आ रहे हैं। चोरों ने बिती रात स्क्रेप व्यापारी के सूने मकान में धावा बोलकर सोने-चांदी के जेवरात समेत 1.40 लाख नगद पर हाथ साफ कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। यह पूरा मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। दरअसल, स्क्रेप व्यापारी विनय अग्रवाल अपने परिवार के साथ भिलाई के नेहरू नगर पश्चिम में रहते हैं। मंगलवार को वो अपने परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने गए थे। तभी चोर मेन

गेट का ताला तोड़कर व्यापारी के घर में दाखिल हुए और हीरे, सोने-चांदी के गहने के साथ ही 1 लाख 40 हजार रुपए नगद चार कर लिए। व्यापारी जब रात 2 बजे अपने परिवार के साथ वापस लौटा, तो घर का ताला टूटा देख उनके पैरों तले से जमीन ही खिसक गई। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद टीम ने सीसीटीवी खंगालते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस मामले में सत्य प्रकाश तिवारी पुलिस प्रवक्ता दुर्ग का कहना है कि उन्हें स्क्रेप व्यापारी विनय अग्रवाल से सूचना मिली थी कि नेहरू नगर पश्चिम में स्थित उनके घर से किसी ने हीरे, सोने-चांदी के गहने के साथ ही 1 लाख 40 हजार रुपए नगद चोरी कर लिया है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नकबजनी के साथ चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

तेंदूपता तोड़ने गई महिलाओं पर जंगली सूअर ने किया हमला

डोंगरगढ़। छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी डोंगरगढ़ के कोहलाकसा जंगल में उस वक्त चीख पुकार मच गई, जब तेंदूपता तोड़ने गई महिलाओं पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। इस हमले में 5 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गई हैं, जिनमें से एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। सभी घायल महिलाओं को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज राजनांदांग रफर किया गया है। इस घटना से आसपास के गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, चिचोला, मूंगलानी और नारायणगढ़ गांव की 10 महिलाएं तेंदूपता तोड़ने के लिए एलबी नगर क्षेत्र के कोहलाकसा जंगल में गई थीं, तभी अचानक उनपर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। सूअर का हमला इतना घातक था कि 5 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। वहीं जंगली सूअर के हमले में कोहलाकसा गांव की रहने वाली फूलबाई साहू की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। फूलबाई के सोने और हाथ में गंभीर चोट आई है। फिलहाल सभी घायल महिलाओं को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज राजनांदांग रफर किया गया है।



कुएं में विवाहिता का शव मिलने पर पति गिरफ्तार

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला थाना क्षेत्र के तरईगांव में 30 मार्च को गांव के एक कुएं में मधु सोनवानी नाम की महिला का शव मिला। जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। मामले को संदिग्ध मानते हुए गौरेला पुलिस ने इवेस्टीगेशन शुरू किया। प्रारंभिक जांच और पोस्टमॉर्टम के बाद और न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने परिजनों व ग्रामीणों के बयान के बाद देहेज प्रताड़ना की बात सामने आई। शादी को 7 वर्ष भी पूर्ण नहीं हुए थे, ऐसे में कानून के प्रावधानों के तहत इस मामले को देहेज मृत्यु के रूप में दर्ज किया गया है। मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया कि मधु सोनवानी को उसका पति दीपचंद सोनवानी शादी के बाद से ही देहेज को लेकर लगातार प्रताड़ित करता था। अक्सर देहेज कम लाने की बात कहकर उसे मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। परिजनों का कहना है कि पति की प्रताड़ना से तंग आकर मधु सोनवानी ने आत्मघाती कदम उठाते हुए कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है और लोगों में नाराजगी भी देखा गया।

भय और आतंक की राजनीति का अंत, देश ने विकास को चुना

बलौदाबाजार। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। बलौदाबाजार स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी नेताओं ने चुनाव नतीजों को जनता का स्पष्ट जनादेश बताते हुए इसे विकास और सुशासन की जीत करार दिया। प्रेस वार्ता में वरिष्ठ नेता गौरीशंकर अग्रवाल और शिवरतन शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश की जनता अब भय और हिंसा की राजनीति को नकार चुकी है और विकास आधारित राजनीति को स्वीकार कर रही है। नेताओं ने ख़ास तौर पर पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों को ऐतिहासिक बताया। उनका कहना था कि वहां लंबे समय से भय, आतंक और हिंसा का माहौल था, लेकिन इस बार जनता ने निर्णायक बदलाव का रास्ता चुना। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने दो-तिहाई से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की मजबूत बहुमत हासिल किया है। इसे लोकतंत्र की मजबूती बताते हुए नेताओं ने कहा कि अब राज्य में विकास, पारदर्शिता और शांति का नया दौर शुरू होगा।

पत्नी को जान से मारने का प्रयास, आरोपी पति गिरफ्तार

दतेवाड़ा। जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र में पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने आपसी विवाद के चलते घर के आंगन में बैठी पत्नी पर हथियार से गले पर चार कर जान से मारने की कोशिश की थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। परिजनों के मौके पर पहुंचने पर आरोपी फरार हो गया था, जबकि घायल महिला को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अजय कुमार भास्कर (26) निवासी मोलसनार मौझीपारा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 2 मई की शाम करीब 5 बजे उसकी मां सुखमति भास्कर घर के आंगन में बैठकर आम छील रही थी। इसी दौरान उसका पति लक्ष्मण भास्कर घर पहुंचा और किसी बात को लेकर विवाद करने लगा। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने जान से मारने की कोशिश की।

स्कॉर्पियो वाहन की टक्कर से हिरण की मौत, वाहन जब्त

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ वन परिक्षेत्र के अंतर्गत फूड्री इलाके में एक स्कॉर्पियो वाहन की टक्कर से एक हिरण की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह हिरण सड़क पार कर रही थी, तभी तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो (सीजी 17 सीजी 5059) ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हिरण ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में स्पीड कंट्रोल, चेतावनी संकेतक और वन्यजीव कॉरिडोर विकसित करना आवश्यक है। यह घटना एक बार फिर वन्यजीव संरक्षण और सड़क सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत को दर्शाता है। भैरमगढ़ वन परिक्षेत्र (सामान्य) के रेंजर जे.के. साहू ने बताया कि गोदम रोड से छोटे तुमनार की ओर जा रही स्कॉर्पियो की चपेट में आने से यह घटना हुई। वन विभाग ने वाहन को जब्त कर लिया है और आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे एवरेस्ट का नकली मसाला

बिलासपुर बन रहा डुप्लीकेट प्रोडक्ट का हब



की आशंका जताई जा रही है। मौके पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को भी बुलाया गया, जहां मसालों के सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी गई है। इस दौरान कंपनी के पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि संबंधित मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी का कहना

है कि मसाला किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वहां रखवाया गया था।

मामले में संबंधित व्यक्तियों पर अब एफआईआर दर्ज करने की तैयारी है। फिलहाल अधिकारियों द्वारा पूछताछ जारी है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है।

तूफान, बारिश, वज्रपात से सीआरपीएफ के धर्मावरम व चिंतावागु कैप हुआ क्षतिग्रस्त

बीजापुर। जिले के पामेड़ थाना क्षेत्र में सोमवार को एक भयंकर तूफान, मूसलाधार बारिश और वज्रपात ने 212वीं वाहिनी सीआरपीएफ के धर्मावरम और चिंतावागु कैप को अपनी चपेट में लिया। इस प्राकृतिक आपदा से सरकारी बुनियादी ढांचे और उपकरणों को व्यापक क्षति पहुंची है। राहत की बात यह है कि किसी भी जवान के हाताहत या घायल होने की सूचना नहीं है।

सीआरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार धर्मावरम कैप में तूफान की तीव्रता इतनी अधिक थी कि कंपनी स्टोर को छत उड़ गई, सीमा दीवार ढह गई और सिग्नल एमएएसटी व जीटी एंटीना जैसे महत्वपूर्ण संचार उपकरणों को क्षति पहुंची है। भारी जलभरव के कारण कंप्यूटर, एलईडी टीवी और कई महत्वपूर्ण आधिकारिक दस्तावेज खराब हो गए। चिंतावागु कैप में बिजली गिरने से हुए शॉर्ट सर्किट के कारण 30 केवी का जनरेटर सेट जल



गया और अधिकारियों के मेस सहित संतरी पोस्टों को भी गंभीर नुकसान पहुंचा। सीआरपीएफ प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर परम्पत कार्य जारी है, जिसका मुख्य उद्देश्य आधिकारिक रिकॉर्ड को सुरक्षित करना और कैपों में पूर्ण परिचालन व संचार व्यवस्था को जल्द से जल्द बहाल करना है।

ऑपरेशन मुस्कान और तलाश अभियान, 106 गुमशुदा लोगों को पहुंचाया अपने घर



■ **बालोद पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान और तलाश अभियान के तहत गुमशुदा लोगों को तलाश किया है.**

बालोद। छत्तीसगढ़ पुलिस के प्रदेशव्यापी 'ऑपरेशन मुस्कान' और 'ऑपरेशन तलाश' अभियान के तहत अप्रैल माह में 75 बालक, 470 बालिका, 972 पुरुष एवं 2539 महिलाओं सहित 4056 गुमशुदा व्यक्तियों को अलग-अलग राज्यों से बरामद कर सुरक्षित परिजनों को सुपुर्द किया गया।

बालोद जिले की बात करें तो पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के नेतृत्व में बालोद पुलिस ने मात्र एक माह के भीतर 106 गुमशुदा व्यक्तियों की सफल पतासाजी कर उन्हें उनके घर पहुंचाया है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार, 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाए गए इस विशेष अभियान के तहत पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सूचना तंत्र का बेहतर इस्तेमाल किया।

दस्तावेज किए गए 106 लोगों में 07 बालिकाएं, 01 बालक, 69 महिलाएं और 29 पुरुष शामिल हैं। पुलिस की इस कार्यवाही से कई सालों और महीनों से बिछड़े हुए परिवारों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गुमशुदा व्यक्तियों की त्वरित खोज के लिए जिले के सभी थाना और चौकी स्तर पर विशेष टीमें गठित की गई थीं। इन टीमों ने साइबर इनपुट, तकनीकी डेटा और स्थानीय मुखबिरों की मदद से गुमशुदागी के मामलों को सुलझाया। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोनिका ठाकुर और डीएसपी माया शर्मा के मार्गदर्शन में साइबर सेल, डीसीबी शाखा और बालक विरुद्ध अपराध अन्वेषण शाखा का विशेष योगदान रहा।

पुलिस का मुख्य उद्देश्य जनसेवा और सुरक्षा है। ऑपरेशन मुस्कान के माध्यम से जब कोई खिड़का हुआ अन्वेषण या व्यक्ति अपने परिवार से मिलता है, तो वह पल पूरी टीम के लिए गर्व और संतोष का होता है।

संक्षिप्त समाचार

वित्तमंत्री ओपी चौधरी का माँ दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर किया गया आत्मीय स्वागत



ओपी चौधरी का एक दिवसीय जगदलपुर आगमन पर महापौर श्री संजय पांडेय, सीजी ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष श्री श्रीनिवास राव मदी, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांन जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वित्तमंत्री श्री चौधरी शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इगोवेशन महानुभाव 1.0 कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं।

रेत के अवैध परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

6 हाइवा और 3 ट्रैक्टर जब्त

रायपुर। प्रदेश में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने जांजगीर-चांपा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान बम्हनीडीह क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन करते पाए जाने पर 2 हाइवा वाहनों को जब्त कर थाना बम्हनीडीह के सुपुर्द किया गया। वहीं जांजगीर क्षेत्र में 3 ट्रैक्टर जब्त कर खनिज विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए सौंपा गया। इसके अलावा देवरहा, पीथमपुर, हाथनेवरा, गढ़ापाली, केवा नवापारा और जांजगीर मुख्य मार्ग पर जांच के दौरान 4 और हाइवा अवैध रेत परिवहन करते पाए गए, जिन्हें जब्त कर पुलिस लाइन खोखरा में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध परिवहन में सहितस लोगों के खिलाफ खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अनुदान पर कृषि यंत्रों एवं सिंचाई पंपों हेतु ऑनलाइन आवेदन 7 मई से प्रारंभ

रायपुर। अनुदान पर कृषि यंत्रों एवं सिंचाई पंपों (जैसे- डीजल/विद्युत पंप, ड्रिप सिस्टम) के लिए किसान चेम्प्स (CHAMPS) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक, जाति प्रमाण पत्र और भूमि दस्तावेज़ (खसरा/बी-1) आवश्यक हैं। छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड द्वारा वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए चेम्प्स (CHAMPS) प्रणाली के अंतर्गत कृषि यंत्रों और सिंचाई उपकरणों पर अनुदान देने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके तहत किसानों को ड्रिप-स्प्रिंकलर, शक्ति चलित कृषि यंत्र और सिंचाई पंप रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाएंगे। विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन की तिथियां निम्नानुसार निर्धारित की गई हैं- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) के अंतर्गत ड्रिप एवं स्प्रिंकलर हेतु के लिए 7 मई 2026 से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसी प्रकार शाकम्भरी योजना के अंतर्गत सिंचाई पंपों हेतु 11 मई 2026, कृषि यांत्रिकीकरण सबमिशन के तहत ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, रोटावेटर एवं अन्य शक्ति चलित कृषि यंत्रों के लिए 15 मई 2026 से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक कृषक निर्धारित तिथियों पर प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे के बीच अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए किसानों को (CHAMPS) की आधिकारिक वेबसाइट http://champs.cgstate.gov.in का उपयोग करना होगा।

136 पुलिस कर्मियों का हुआ तबादला

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर कार्यालय की ओर से जारी आदेश में 136 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को एक थाने से दूसरे थाने में पदस्थ किया गया है। जिसमें 2 एसआई, 16 एसएसआई और 118 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल शामिल है।

विधायक पुरंदर ने कांग्रेस को दिया श्राप, बोले भारत कांग्रेस मुक्त हो जाए

रायपुर। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से एक तरफ भाजपा नेता जहां गदगद हैं, तो दूसरी ओर कांग्रेस के प्रति गुस्सा भी फूट रहा है। वहीं दूसरी ओर रायपुर उत्तर के भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने कांग्रेस को श्राप देते हुए कहा कि कांग्रेस ने 14 अगस्त की रात को भारत का बंटवारा किया, मैं श्राप देता हूं कि भारत कांग्रेस मुक्त हो जाए। मिश्रा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता जहां भी जाते हैं, सरकार बनाकर आते हैं. दीदी से परेशान होकर जनता ने उनको निपटा दिया. 4 मई को ममता गई और जनता ने भारत और समातन को बचाने का काम किया, अब सबके साथ मिलकर 2047 तक विकसित भारत बनाएंगे. अखंड भारत का सपना पूरा होगा। विधायक सीताला सिन्हा विधानसभा में अच्छे मुद्दे उठाती हैं इसलिए मैं उन्हें बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी के कांग्रेस को अर्बन नक्सली बताए जाने का समर्थन करते हुए पुरंदर मिश्रा ने कहा कि नक्सल को जीवित रखने में कांग्रेस का हाथ है, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नीतियों ने नक्सलवाद का सफाया किया।

राजधानी/छत्तीसगढ़

बस्तर के युवाओं के लिए नवाचार की अपार संभावना नवाचार से करें क्षेत्र का विकास: वित्त मंत्री चौधरी

■वित्तमंत्री शामिल हुए शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इगोवेशन महाकुंभ 1.0 कार्यक्रम में

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय में आयोजित इगोवेशन महाकुंभ 1.0 को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने बजट में बस्तर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं, जिससे युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

वित्त मंत्री ने कहा कि देश की चार ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ते भारत में बस्तर के युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बस्तर के युवाओं को वन उत्पाद, पर्यटन, कला-संस्कृति और कृषि से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में नवाचार के साथ कार्य कर क्षेत्र के



विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के युवा आर्थिक रूप से सशक्त बनकर समाज निर्माण में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर आज नई आशा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में पूना मारगेम से जुड़े साथियों की भागीदारी का स्वागत करते हुए बस्तर के विकास में सहभागी बनने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कई प्रेरणादायक

उदाहरण साझा किए, जिनमें लोगों ने विपरीत परिस्थितियों से निकलकर नवाचार के माध्यम से आर्थिक प्रगति हासिल की। चौधरी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं नौकरी छोड़कर कृषि व्यवसाय अपनाया और आत्मनिर्भरता हासिल की। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि माँ सरस्वती के उपासक बनेंगे तो माँ

लक्ष्मी स्वयं साथ आएंगी, आज का युग ज्ञान आधारित है, इसलिए युवाओं को अपनी क्षमता और कौशल का निरंतर विकास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थान केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि अनुशासन भी सिखाते हैं। अनुशासन के साथ ईमानदारी से प्रयास कर ही बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है। साथ ही उन्होंने युवाओं को उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में जोखिम लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने बस्तर की पूर्व परिस्थितियों और दंतेवाड़ा जिले में कलेक्टर के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभवों का भी उल्लेख किया, जिससे उपस्थित युवाओं को प्रेरणा मिली। विश्व विद्यालय द्वारा बस्तर के युवाओं हेतु नवाचार के लिए आयोजित इस कार्यक्रम की भी उन्होंने सराहना की। कार्यक्रम में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो मनोज कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे ।

बदले हुए बस्तर में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास : राज्यपाल

■ रमेन डेका ने कोंडागांव में ली फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा बैठक

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने मंगलवार को कोंडागांव प्रवास के दौरान जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। राज्यपाल ने स्पष्ट किया कि माओवाद के प्रभाव में आई कमी के बाद बस्तर की परिस्थितियां अब बदल चुकी हैं। इस नए परिदृश्य में अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।

राज्यपाल डेका ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत सघन पौधरोपण और जल संचयन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि गांवों में वर्षा से पूर्व और पश्चात के जल स्तर का वैज्ञानिक आकलन किया जाए। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले घरों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचना को अनिवार्य रूप से शामिल करने पर जोर दिया।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए राज्यपाल ने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की बेल्ट्यू एडिशन और बेहतर मार्केटिंग चैन विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने और इसकी सप्लाई चैन को सुदृढ़ करने की बात कही।

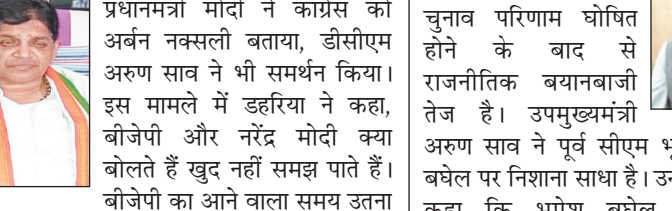
महिलाओं और बालिकाओं के स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए राज्यपाल ने 8 मई को विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश

कांग्रेस को अर्बन नक्सली बताने पर सियासत

मोदी खुद नहीं समझ पाते क्या बोलते हैं : शिव डहरिया

रायपुर। पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी नेताओं के स्ट्राइक रेट पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, 5 राज्यों के चुनाव में असम और पुडुचेरी तो पहले से ही बीजेपी के पास था। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की हार हुई है, कांग्रेस की नहीं, तमिलनाडु में बीजेपी की हार हुई है। विजय थलपति कांग्रेस के साथ सरकार बनाना चाह रहे हैं। वहीं केरल में कांग्रेस को बड़ी सफलता मिली है।

जहां-जहां भूपेश के पैर पड़े वहां कांग्रेस का बंटधार, बीजेपी के इस पोस्ट पर शिव डहरिया ने कहा, लेफ्ट का पूरे देश में सफाया हो गया। बीजेपी आने वाले चुनाव में एक दो सीटों के लिए तरसेगी।



प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को अर्बन नक्सली बताया, डीसीएम अरुण साव ने भी समर्थन किया। इस मामले में डहरिया ने कहा, बीजेपी और नरेंद्र मोदी क्या बोलते हैं खुद नहीं समझ पाते हैं। बीजेपी का आने वाला समय उतना था। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को कांग्रेस को श्राप देते हुए कहा कि कांग्रेस ने 14 अगस्त की रात को भारत का बंटवारा किया। मैं श्राप देता हूं कि भारत कांग्रेस मुक्त हो जाए। इस पर शिव डहरिया ने कहा, इसमें कोई टिप्पणी करने की जरूरत नहीं है। नरेंद्र मोदी और शाह भी पहले से बोलते आए हैं, लेकिन कांग्रेस मुक्त भारत बना नहीं पाए। पुरंदर मिश्रा पहले कांग्रेस में ही थे। इनके विचार बदलते रहते हैं, वो कहीं और भी जा सकते हैं।

सरलाबाई मरावी की समस्या का मुख्यमंत्री ने किया त्वरित समाधान

■ सुशासन तिहार : चौपाल में मिली राहत

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत ग्राम सरोधी में आयोजित चौपाल में शासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही का एक भावनात्मक उदाहरण सामने आया। सरोधी की रहने वाली सरलाबाई मरावी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समक्ष अपनी समस्या रखी और कुछ ही पलों में उसका समाधान भी मिल गया।

सरलाबाई मरावी, पति श्री लक्ष्मराम मरावी, एक साधारण कृषक परिवार से हैं। उनके पास लगभग 5



एकड़ कृषि भूमि है और परिवार में उनका एक बेटा है। खेती ही उनके जीवनयापन का मुख्य साधन है। चौपाल के दौरान सरलाबाई ने बताया कि उन्होंने एक माह पहले किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1.50 लाख रुपए के ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन अब तक

त्वरित समाधान होते देख सरलाबाई भावुक हो उठीं। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनकी बात इतनी जल्दी सुनी जाएगी और समाधान भी मिल जाएगा। उनकी आंखों में संतोष और चेहरे पर राहत साफ झलक रही थी।

सरलाबाई ने यह भी बताया कि

जहां राहुल और भूपेश के पैर पड़ेंगे, कांग्रेस हारेगी : साव

रायपुर। पश्चिम बंगाल समेत 5 राज्यों में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से राजनीतिक बयानबाजी तेज है। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ की जनता ने खारिज किया है। दूसरे राज्य की जनता भूपेश बघेल को क्यों सुनेंगे। जहां राहुल और भूपेश के पैर पड़ेंगे, कांग्रेस हारेगी। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 99 चुनाव हार चुकी है।

पीएम मोदी ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधन के दौरान कहा था कि कांग्रेस



कम्युनिस्ट विचारधारा को अपनाने में लगी है। इस बयान पर प्रकाश डालते हुए डिप्टी सीएम साव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सोच समझकर बिलकुल सही कहा है। कांग्रेस की गतिविधियां अर्बन नक्सल की तरह है। कांग्रेस देश के हितों के विपरीत काम कर रही है। फूलोदेवी नेताम के बाद अब भूपेश खेमे की विधायक संगीता सिन्हा को महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी दी गई थी। इसे लेकर डिप्टी सीएम साव ने बयान देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस नेता आपस में लड़ रहे हैं। कांग्रेस के नेताओं के झगड़े से कार्यकर्ता पार्टी छोड़ रहे हैं। कांग्रेस नेता अपनी पार्टी को डुबाने में लगे हैं।

सुशासन तिहार 2026 : आज फरसाकानी में लगेगा शिविर

■ 17 गांवों के ग्रामीण होंगे शामिल

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जशपुर जिले में सुशासन तिहार 2026 के तहत व्यापक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिले के 31 जनपद पंचायत क्षेत्रों एवं 5 नगरीय निकायों सहित कुल 36 क्लस्टरों में यह अभियान संचालित हो रहा है।

इसी क्रम में 06 मई 2026 को कुनकुरी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत फरसाकानी में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। इस शिविर में फरसाकानी सहित बंदरचुआं, ढोढीबहार, डोडापानी, लोढाअम्बा, बरांगजोर, ठेटेटांगर, खारीझरिया, कुंजारा, रेमते, गड़ाकटा, हरीडांड, बासनताला, भेलवांटोली, चटकपुर, जोरातराई और रेंगारघाट सहित कुल 17

गांवों के ग्रामीण अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे आमजन को समयबद्ध समाधान मिल सके। यह पहल प्रशासन और नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने के साथ ही शासन की योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का माध्यम बन रही है।

कलेक्टर ने शिविर के सफल आयोजन हेतु नोडल एवं विभागीय अधिकारियों को सौंपे गए दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं। जिला प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर शिविर में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं, ताकि उनका शीघ्र और प्रभावी समाधान किया जा सके।

श्रमिक के बिना कोई कार्य सफल नहीं : चिंतामणि

■ जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन, शासन की योजनाओं से श्रमिकों को सशक्त बनाने का संकल्प

रायपुर। सरगुजा जिले के श्रमिकों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने और उनके पंजीयन की प्रक्रिया को गति देने के उद्देश्य से आज अंबिकापुर के पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने श्रमिकों के उत्थान के लिए संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आज समाज का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जो श्रमिकों के बिना सफल हो सके। श्रमिकों के परिश्रम से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अंतिम पॉक के श्रमिक का भी पंजीयन सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि लुण्डा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि



हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में श्रमिक है और परिश्रम ही परिवार के भरण-पोषण का आधार है। उन्होंने श्रमिक पंजीयन कर योजनाओं का लाभ लेने उपस्थित श्रमिक जनों को प्रोत्साहित किया। वहीं, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोपर ने विकासखंड से आए श्रमिकों से कहा कि शासन आपके हितों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है जिससे हर वर्ग के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ मिले। आप सभी श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी लेकर योजना का लाभ ले।

नगर निगम अंबिकापुर महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने कहा कि शासन द्वारा नारी शक्ति के सम्मान के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बने शासन की मंशा है। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लेने के लिए श्रमिकों को प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न

शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों द्वारा चेक वितरण कर सम्मानित किया गया। जब उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने स्वयं अपने हाथों से श्रमिकों को भोजन परोसा। इस दौरान श्रमिकों ने अनुशासन का परिचय देते हुए कतारबद्ध होकर अपनी-अपनी

बारी में शांतिपूर्वक भोजन लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रम पदाधिकारी श्री नीतेश विश्वकर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ कर्मगार राज्य समाजिक सुरक्षा मंडल एवं छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निगमों कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना,मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना,मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल श्रमिकों को मूल देते हुए कहा कि इन हितग्राही होकर योजनाओं का लाभ उठाने के लिए श्रमिक पंजीयन कराएं और योजनाओं का लाभ लें। सम्मेलन में पार्षद श्री आलोक दुबे एवं दीपक यादव एवं जनप्रतिनिधियों सहित जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए बड़ी संख्या में श्रमिक, श्रम विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

	कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.) E-mail-eemohla-phe@cg.gov.in	
---	--	---

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //		
इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा, निविदा सूचना / दिनांक / सिस्टम क्रमांक	01/06-04-2026/188528,	02/06-04-2026/188529,
	03/06-04-2026/188530,	05/06-04-2026/188532,
	06/06-04-2026/188533,	07/06-04-2026/188534
(जी कंमाक 2627000086) में किसी भी निविदाकार द्वारा भाग नहीं लेने से निविदाओं के शून्य निविदा होने तथा 08/06-04-2026/188535 (जी कंमाक 2627000086) एकल निविदा होने के कारण निरस्त किया जाता है।		
कार्यालयन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)		
जी-262700517/10		

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग क्र.1, लोक निर्माण विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ज्ञाप. क्र. 01/व.ले.नि./2026-27		रायपुर, दिनांक 30.04.2026
संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना (द्वितीय आमंत्रण)		
1.	निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु अवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	08.05.2026 अपराह्न 5.30 बजे तक
2.	निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि	14.05.2026 अपराह्न 5.30 बजे तक
3.	प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि	15.05.2026 पूर्वाह्न 11.30 बजे
4.	अहं ठेकेदारों की श्रेणी	ई-पंजीयन के अनुरात 'द' श्रेणी से 'अ' तक
एन. आई. टी. क्र.	कार्य का विवरण	कार्य का नाम अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
01	Special repair for construction of boundary wall, Ladies Toilet and repair of old toilets NH Campus, Pensionbada, Raipur.	4.93 लाख 5000.00 25000.00 750.00 02 माह
टीप:- निविदा संबंधी शर्तें एवं अन्य विवरण विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwd/raipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इसका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।		
कार्यपालन अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग क्र .1, लो.नि.वि. रायपुर (छ.ग.)		
जी-262700496/3		

बंगाल की प्रचंड जीत समूचे देश में भगवा क्रांति का आगाज!

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब 880 साल बाद बंगाल में भगवा लहराया है आजादी से पहले और आजादी के बाद भी जिस तरह के जख्म बंगाल की छाती पर दिए गए 2026 का विधानसभा चुनाव परिणाम घुसपैठ हिंसा महिला असुरक्षा अराजकता और दबंगई के बीच मुसलिम तुष्टिकरण से पैदा बंगाली अस्मिता पर खतरे और डेमोग्राफी परिवर्तन के खिलाफ आमजन का प्रतिवाद है एक अंगड़ाई है जो सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं है अपने अस्तित्व स्वरूप और संस्कृति को बचाने की मुहिम है । भाजपा ने राजनीतिक रणनीति के तहत लम्बे अर्स से बंगाल में पनपे हिन्दू दमन और मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति के परिप्रेक्ष्य में ऐसी व्यूह रचना की जिसको तोड़ने में ममता बनर्जी नाकाम हो गई।

वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने भारतीय राजनीति के फलक पर एक ऐसी इबारत लिख दी है, जिसकी गूँज दशकों तक सुनाई देगी। इन परिणामों ने न केवल सत्ता के समीकरण बदले हैं, बल्कि क्षेत्रीय क्षत्रपों के अजेय होने के मिथक को भी धराशायी कर दिया है। पांच राज्यों के ये रझान स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि जनता अब केवल विरासत या भावनात्मक नारों पर नहीं, बल्कि जवाबदेही और नए विकल्पों पर मुहर लगा रही है। पश्चिम बंगाल इस चुनाव की सबसे बड़ी सुर्खी रहा है। ममता बनर्जी के 15 साल पुराने अजेय दुर्ग का ढहना भारतीय राजनीति की सबसे बड़ी

घटनाओं में से एक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लहर और भ्रष्टाचार व महिला सुरक्षा व सम्मान कानून-व्यवस्था जैसे बुनियादी मुद्दों ने तुणमूल कांग्रेस के आधार को हिला कर रख दिया। संदेशखाली और आरजीकर रेप मर्डर जैसी घटनाओं ने जिस आक्रोश को जन्म दिया, उसने ममता राज के पतन की बुनियाद गढ़ दी अंततः भाजपा को जबरदस्त सीटों के साथ सत्ता के शीर्ष तक पहुंचा दिया। बंगाल का यह बदलाव बताता है कि मतदाता अब तुष्टीकरण और हिंसा की राजनीति से इतर विकास और सुशासन की नई राह तलाश रहा है। इसी तरह तमिलनाडु ने पूरे देश को चौंकाया है। दशकों से द्रमुक बनाम अन्नाद्रमुक के बीच झूलती द्रविड़ राजनीति को अभिनेता विजय और सुशासन की नई राह ध्वस्त कर दिया है। 110 सीटों के करीब पहुंचकर विजय ने साबित कर दिया कि तमिलनाडु की जनता पुराने राजनीतिक घरानों से ऊब चुकी है और एक नए विजन वाले नेतृत्व की तलाश में है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का तीसरे नंबर पर खिसकना द्रविड़ राजनीति के एक बड़े अध्याय के ढलने का संकेत है। स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर जिस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी की उनसे पूरे देश का बड़ा जनमानस आहत हुआ अब स्वयं तमिलनाडु ने स्टालिन और उनकी पार्टी को किनारे पहुंचा दिया है।

असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला। भाजपा नीत एनडीए की प्रचंड बढ़त यह



प्रमाणित करती है कि कड़क प्रशासन और विकास का असम मॉडल जनता को रास आ रहा है। वहीं पुडुचेरी में एन। रंगासामी और भाजपा की जुगलबंदी ने स्थिरता को प्राथमिकता देने वाले मतदाताओं का दिल जीत लिया है। केरल में सत्ता हर पांच साल में बदलती रही है लेकिन पिनाराई विजयन दस साल शासन में रहे। लेकिन अब वामपंथी मोर्चे की विदाई हो गई है और कांग्रेस नीत यूडीएफ की 95 से अधिक सीटों पर बढ़त यह दिखाता है कि केरल का मतदाता एंटी-इंकंबेंसी को लेकर बेहद सजग है। कांग्रेस के लिए यह जीत संजीवनी की तरह है, जो उसे राष्ट्रीय स्तर पर फिर से खड़ा होने का हौसला देगी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को दोहरा झटका लगा है। एक तरफ बीजेपी ने बंगाल में प्रचंड जीत हासिल की है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के शुभेंदु अधिकारी ने ममता को भवानीपुर सीट से हरा दिया है। इस जीत के बाद शुभेंदु ने ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा।

शुभेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट से ममता को 15,114 वोटों से हरा दिया। शुभेंदु

विचार

ने लगातार दूसरी बार ममता को हराया है। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने नंदीग्राम सीट से उन्हें हराया था।

आपको बता दें अंग यानी बिहार और कलिंग यानी ओडिशा का मोर्चा तो बीजेपी ने पहले ही फतह कर लिया था। अब बंगाल में चुनावी जीत के साथ ही अंग, बंग और कलिंग पर काबिज होने का भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरा हो गया है।

करीब दस साल की कोशिश के बाद पहली बार बंगाल में बीजेपी की जीत की आखिर क्या वजह रही? राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इसमें एसआईआर के दौरान भारी तादाद में कटे नामों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा धार्मिक आधार पर ध्ववीकरण, बीजेपी के आक्रामक प्रचार, आर।जी। कर कांड के बहाने महिला सुरक्षा के सवाल, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने भी बदलाव की राह तैयार की। पं बंगाल के विधानसभा चुनाव में मुकाबला बदला बनाम बदलाव था। बीजेपी ने जहां बदलाव का नारा देते हुए अपने पारंपरिक जय श्री राम की जगह जय मां काली के नारे को अपनाया था, वहीं ममता बनर्जी ने लोगों से केंद्र, बीजेपी और चुनाव आयोग के कथित सीतेले रवैए के खिलाफ बदला लेने के लिए वोट डालने की अपील की थी।

पश्चिम बंगाल में इस बार विधानसभा चुनाव में कई चीजें पहली बार हुई थीं और इसका नतीजा भी पहली बार बीजेपी की जीत के तौर पर सामने आया है। बीते पच्चीस वर्षों में पहली बार कोई चुनाव दो चरणों में कराया

दक्षिण से पूर्व तक बदलता राजनीतिक भूगोल

कालिलाल मांडोट

भारत के 2026 के विधानसभा चुनावों के ताजा परिणामो ने देश की राजनीति में एक बड़ा मोड़ लाने के संकेत दे दिए हैं। तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों में जो तस्वीर उभर रही, वह पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों को चुनौती देती दिख रही है। इन चुनावों में न केवल सत्ता परिवर्तन की संभावनाएं बनी, बल्कि नए चेहरों और नए गठबंधनों ने राजनीतिक विमर्श को पूरी तरह बदल दिया है।

तमिलनाडु में इस बार का चुनाव सबसे ज्यादा दिलचस्प बन गया है। यहां द्रविड़ राजनीति का दशकों पुराना ढांचा पहली बार गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है। एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुनेत्र कणम डीएमके जहां सत्ता बचाने की कोशिश में थी, वहीं अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलनाा वेट्टी कडगम ने राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। शुरुआती दौर में टीवीके का सबसे आगे होना और पार्टी पूर्ण बहुमत को हासिल कर चुकी यह दिखाता है कि जनता अब पारंपरिक दलों के विकल्प तलाश रही है।

तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 117-118 है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कणम और डीएमके दोनों ही स्पष्ट बहुमत से दूर दिखे। ऐसे में विजय का किंगमेकर के रूप में उभरना स्वाभाविक है। उनकी लोकप्रियता, खासकर युवाओं में, और साफ-सुथरी छवि उन्हें एक निर्णायक भूमिका में ला खड़ा करती है।

इस पूरे घटनाक्रम में नरेंद्र मोदी के साथ विजय की पुरानी तस्वीर ने राजनीतिक चर्चाओं को और हवा दे दी है। यह तस्वीर भले ही पुरानी हो, लेकिन इसके समय पर सामने आने से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या भारतीय जनता पार्टी और टीवीके के बीच चुनाव बाद गठबंधन संभव है। यदि ऐसा होता है और एएयूडी भी इसमें शामिल होती है, तो तमिलनाडु में पहली बार एक नया राजनीतिक समीकरण बन सकता है, जो द्रविड़ राजनीति के पारंपरिक ढांचे को तोड़ देगा। दूसरी ओर केरल में जो तस्वीर सामने आ रही है, वह पूरी तरह अलग लेकिन उतनी ही महत्वपूर्ण है। यहां पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली वाम लोकतांत्रिक



मोर्चा को बड़ा झटका लगता दिख रहा है। शुरुआती रझानों में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा स्पष्ट बढ़त के साथ सत्ता में वापसी करता नजर आया कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ अगर बहुमत हासिल करता है, तो यह केरल की राजनीति में बड़ा बदलाव होगा, क्योंकि राज्य में आमतौर पर सत्ता परिवर्तन का ट्रेंड तो रहा है। लेकिन इस बार मुकाबला बेहद करीबी माना जा रहा था। सचने चौंकाने वाली बात यह है कि खुद पिनाराई विजयन अपनी सीट पर पीछे चलने से उयह केवल एक सीट की हार नहीं, बल्कि उनके शासन मॉडल पर सवाल के रूप में भी देखा जा रहा है। उनके कार्यकाल में कल्याणकारी योजनाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर जोर दिया गया, लेकिन लगता है कि विपक्ष ने सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाने में सफलता पाई है।

केरल में भारतीय जनता पार्टी का खाता खुलना भी एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत है। भले ही सीटें कम हों, लेकिन यह पार्टी के लिए दक्षिण भारत में धीरे-धीरे बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत देता है। राजीव चंद्रशेखर जैसे नेताओं का आगे रहना यह दर्शाता है कि भाजपा अब केवल उत्तर और पश्चिम भारत तक सीमित नहीं रहना चाहती।

अगर पश्चिम बंगाल की बात करें, तो यहां तस्वीर और भी नाटकीय है। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तुणमूल कांग्रेस को इस बार कड़ी चुनौती मिल गई है। शुरुआती रझानों में भाजपा भारी बढ़त बनाती दिखाई दी।।यह रझान नतीजों में बदलती है, तो यह राज्य की राजनीति में ऐतिहासिक बदलाव होगा। पश्चिम बंगाल में भाजपा की बढ़त को केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक बदलाव का संकेत भी है। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में कानून-व्यवस्था,

पहुंच गई थीं और उन्होंने इसे टीएमसी की चुनावी रणनीतियों से जुड़े दस्तावेज और डेटा ले जाने की कोशिश बताया था। आई-पैक , जो टीएमसी की राजनीतिक रणनीति तैयार करती है। ईंडी कोयला घोटाला और हवाला मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आई-पैक के डायरेक्टर प्रतीक जैन और अन्य के ठिकानों पर तलाशी ले रही थी। सीएम ने छापे को राजनीतिक प्रतिशोध और चुनाव से पहले टीएमसी का डेटा चुराने का प्रयास बताया। दरअसल इंडी की इस कार्रवाई ने ममता बनर्जी और टीएमसी की चूल्हें हिलाने का काम किया यही से ममता राज के खात्मे की पटकथा को जमीन मिली एसआइआर के जरिए फर्जी वोटर हटाए गए ममता तिलमिलाली रहें लेकिन ममता की राजनीति के मौजूदा चाणक्य अमित शाह ने बंगाल के वोटर पर दशकों से हावी हिंसा और भय के माहौल में सुरक्षा और खास कर चुनाव बाद भी केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती बनाए रखने का भरोसा देकर दशकों से भयभीत वोटर को स्वतंत्र निर्भय मतदान करने का हौसला दिया और इस सबसे बंगाल में कमल खिलाने का सपना साकार हो गया। अब गंगोत्री से गंगासागर तक भगवा विस्तार हो चुका है यह आने वाले समय में समूचे देश में भगवा क्रांति का आगाज है इन चुनावों के परिणाम 2027 के यूपी चुनाव का भी आधार बनेगा। बस अब जरूरत इस बात की है कि भगवा सरकारें आमजन के उत्थान और रोजगार के लिए दिनरात एक कर विश्वास की कसौटी पर परिणाम दें।

शुभेंदु ने बंगाल में भाजपा को अपने पैरों पर खड़ा करके दिखा दिया

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर एगिजट पोल्स के अनुमानों ने रा्य की राजनीति को अत्यंत रोचक बना दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में यह संकेत मिल रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी को इस बार प्रचंड बहुमत प्राप्त हो सकता है। इस राजनीतिक परिदृश्य के केंद्र में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी हैं, जिनकी भूमिका इस चुनाव में निर्णायक मानी जा रही है। भवानीपुर और नंदीग्राम जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर उनकी उपस्थिति ने चुनाव को अत्यधिक हाई प्रोफाइल बना दिया है। शुभेंदु अधिकारी का नाम पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक प्रभावशाली और जमीनी नेता के रूप में स्थापित हो चुका है। उनका जन्म 15 दिसंबर 1970 को पूर्व मेदिनीपुर जिले के करकुली में हुआ था। वह वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सिसिर कुमार अधिकारी के पुत्र हैं। बचपन से ही राजनीतिक माहौल में पले बढ़े शुभेंदु ने ग्रामीण राजनीति की बारीकियों को नजदीक से समझा, जिससे उनकी छवि एक भूमिपुत्र नेता के रूप में मजबूत हुई। राजनीतिक जीवन की शुरुआत उन्होंने 1995 में कांग्रेस के साथ की, जब वह कांथी नगरपालिका के पार्षद चुने गए। वर्ष 2006 में वह पहली बार विधानसभा पहुंचे। लेकिन उनकी असली पहचान नंदीग्राम आंदोलन के दौरान बनी, जब उन्होंने भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन ने रा'य की राजनीति को बदल दिया और ममता बनर्जी के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया। बाद में वह तुणमूल कांग्रेस के प्रमुख रणनीतिकार बने और तमलुक से दो बार सांसद भी चुने गए। वर्ष 2016 से 2020 तक उन्होंने राज्य सरकार में परिवहन, सिंचाई और जल संसाधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग संभाले। दिसंबर 2020 में उन्होंने वैचारिक मन्वधेदों का हवाला देते हुए भाजपा का दामन थाम लिया। 2021 के विधानसभा चुनाव में

उन्होंने नंदीग्राम सीट से ममता बनर्जी को 1956 मतों से हराकर इतिहास रच दिया। इसके बाद उन्हें विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाया गया और वह भाजपा का प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। 2026 के चुनाव में शुभेंदु अधिकारी ने नंदीग्राम के साथ-साथ भवानीपुर सीट से भी चुनाव लड़ा, जहां उनका सीधा मुकाबला ममता बनर्जी से है। वह भवानीपुर में भी जीत दर्ज किया। शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। शुभेंदु अधिकारी की आर्थिक स्थिति भी अपेक्षाकृत सदागीर्ण है। 2026 के चुनावी हलफनामे के अनुसार उनकी कुल संपत्ति लगभग 85.87 लाख रुपये है। इसमें चल संपत्ति लगभग 20.72 लाख रुपये और अचल संपत्ति लगभग 65.15 लाख रुपये है। उनकी आय का मुख्य स्रोत पारिवारिक संपत्ति है और उन पर कोई देनदारी नहीं है। हम आपको बता दें कि शुभेंदु अधिकारी का राजनीतिक प्रभाव विशेष रूप से जंगलमहल और मेदिनीपुर क्षेत्र में बेहद मजबूत है। इन क्षेत्रों में उनकी संगठन क्षमता और जनसमर्थन भाजपा के लिए महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। वह लगातार दक्षिण बंगाल में पार्टी को मजबूत करने और विधानसभा में सक्रिय विपक्ष की भूमिका निभाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उनका पारिवारिक प्रभाव भी राजनीति में अहम भूमिका निभाता है। उनके पिता सिसिर कुमार अधिकारी, भाई दिव्येंदु अधिकारी और सोमेंदु अधिकारी सभी भाजपा से जुड़ चुके हैं। इस प्रकार अधिकारी परिवार ने एकजुट होकर पूर्व मेदिनीपुर में अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। कुल मिलाकर, शुभेंदु अधिकारी का राजनीतिक सफर एक साधारण पार्षद से लेकर संभावित मुख्यमंत्री तक का है। 2026 का चुनाव उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण चरण साबित हो सकता है। यदि एगिजट पोल के अनुमान सही साबित होते हैं, तो पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू होगा, जिसमें शुभेंदु अधिकारी केंद्र में होंगे।

जय श्रीराम के नारे से ममता बनर्जी इतना नाराज क्यों?

विकास मिश्रा

कोई सात साल पहले मई 2019 में पश्चिम बंगाल के उत्तर चौबीस परगना इलाके में भाटपाड़ा से ममता बनर्जी का काफिला गुजर रहा था। सड़क किनारे खड़े कुछ युवाओं ने जय श्रीराम का नारा लगा दिया। जैसे ही श्रीराम का नाम उनके कानों तक पहुंचा, उन्होंने अपनी कार रुकवाई और युवाओं पर भड़क उठीं। उन्होंने उन युवाओं को बाहरी व्यक्ति और भाजपा का गुंडा कहा। ममता के तेवर तीखे थे और वो युवा सकपका गए! उस दृश्य को पूरे भारत ने देखा। जनवरी 2021 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौजूद थे। उसाहित भीड़ में से कुछ लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगा दिए।

नारे सुनकर ममता बनर्जी इतना भड़क गई कि उन्होंने भाषण देने से इनकार कर दिया। उनका कहना था कि जय श्रीराम का नारा लगाकर उनका अपमान किया गया है। तीसरी घटना दिसंबर 2022 की है। अवसर था हावड़ा रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के उद्घाटन का। वहां भी कुछ लोगों ने जय श्रीराम का नारा लगा दिया। श्रीराम की जयजयकार सुनकर वे इतना नाराज हुई कि मंच पर आने से ही इनकार कर दिया। हालांकि इन तीनों ही मौकों पर उन्होंने बड़े साफ शब्दों में कहा कि जय श्रीराम के नारे से उन्हें कोई परहेज नहीं है बल्कि उनके गुस्से कारण यह है कि भारतीय जनता पार्टी के लोग इस नारे का राजनीतिक उपयोग कर रहे हैं। और चौथी घटना 4 मई 2026 की! वोटों की गिनती के साथ जय यह स्पष्ट होने लगा कि ममता की गद्दी जा रही है और पश्चिम बंगाल की गद्दी पर पहली बार भाजपा आ रही है तो कुछ युवा ममता के निवास पर पहुंच गए और चिढ़ाने वाले अंदाज में जय श्रीराम का नारा लगाया। वे गए तो महिलाओं का एक समूह नारे लगाता हुआ पहुंच गया। मगर इस बार ममता ऐसी स्थिति में नहीं थीं कि वे घर से बाहर निकलें और अपने चिर-परिचित



गुस्सेल अंदाज में जय श्रीराम का नारा लगाने वालों को लताड़ लगा जाए! देखते ही देखते वक्त कितना बदल गया!चुनाव परिणाम आने से काफी पहले भाजपा के चाणक्य कहे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा कर दी थी कि 4 मई को जैसे ही वोटों का पिटारा खुलेगा, ममता दीदी टाटा-बाय बाय हो जाएंगी।

मगर ममता बनर्जी क्या सोच रही थीं? क्या उन्हें अपनी जमीन खिसकती हुई लग रही थी? कहना मुश्किल है क्योंकि ऊपरी तौर पर तो वे केंद्रीय हस्तक्षेप पर हमला कर रही थीं लेकिन यह विश्वास भी जता रही थीं कि वे चौथी बार सत्ता में लौटेंगी। तो फिर चूक कहाँ हो गई? इसे समझने के लिए ममता बनर्जी के उस शैली को समझना होगा जिसकी बदौलत उन्होंने 34 साल जमी वामपंथी सरकार को 2011 में उखाड़ फेंका था। भाजपा ने बड़े सधे अंदाज में ममता की शैली को ही माध्यम बनाया।

मुहावरे की भाषा में कह सकते हैं कि भाजपा ने कांटे से कांटा निकाला! चलिए, थोड़ा पीछे लौटते हैं और याद करते हैं वामपंथियों के राज को! पश्चिम बंगाल में वामपंथियों का एक ऐसा नेक्सस पैदा हो गया था जिसने पूरे सिस्टम को दबोक लिया था। वामपंथी कार्यकर्ताओं की समानांतर सरकार चलती थी। इसे सामान्य भाषा में गुंडागर्दी का राज कह सकते हैं। लोग डरते थे। वामपंथी गुंडा चाहते थे, परिणाम प्राप्त कर लेते थे। ऐसे में लोगों को जरूरत एक ऐसे नेतृत्व की थी जो वामपंथियों की ईंट से ईंट बजा सके। कांग्रेस में वो ताकत नहीं थी, इसलिए वह कमजोर होती

चली गई। ऐसे में सामने आई फायर ब्रांड ममता बनर्जी। उनके तीखे तेवरों और निडरता ने उनके प्रति पश्चिम बंगाल के लोगों में उम्मीद जगाई। खासकर 2007 में सिंगूर में टाटा नैनो प्रोजेक्ट के लिए और नंदीग्राम में केमिकल हब के लिए किए गए भूमि अधिग्रहण के खिलाफ ममता बनर्जी ने उग्र आंदोलन किया। नंदीग्राम में पुलिस फायरिंग में कई लोगों की मौत हुई। इससे वामपंथियों के खिलाफ माहौल बन गया। इधर ममता ने ‘मां, माटी, मातृष’ का नारा देकर खुद को बंगाल की बेटी के रूप स्थापित कर लिया।

वामपंथियों का साथ देने वाला ‘भद्रलोक’ यानी बौद्धिक वर्ग वामपंथियों की गुंडागर्दी से नाराज हो चुका था। उस ममता में उम्मीद नजर आई। उस साल ममता ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया ताकि वोट न बंटे और फिर ममता सत्ता में आई तो ऐसी छत्र गई कि कोई सोच भी नहीं सकता था कि उन्हें मुख्यमंत्री के पद से हटایा जा सकता है। मगर दुर्भाग्य से वे भी उसी राह पर चल निकलीं, जिस राह पर वामपंथी चले और डूब गए! ममता की तुणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का ऐसा नेक्सस तैयार हो गया जिस पर दबदबे के लिए कुछ भी करने के आरोप लगने लगे। इधर ममता ने भाजपा की धार्मिक गोटी के खिलाफ गैरहिंदू वोटों को हर हाल में अपने पाले में रखने के लिए कुछ भी करने की ठान ली। भाजपा को पता था कि टीएमसी के नेटवर्क से आम आदमी परेशान है। उसे कोई विश्वास दिलाते वाला चाहिए कि वो उनकी रक्षा कर सकता है। पश्चिम बंगाल का ‘भद्रलोक’ यानी बौद्धिक वर्ग कभी भी धर्म को राह पर नहीं चलता लेकिन कानून व्यवस्था के बारे हालात उसके लिए प्रमुख मुद्दा था। इस भाजपा में उम्मीद नजर आई। यदि आप विश्लेषण करें तो कोलकाता शहर का जो इलाका भद्रलोक कहलाता है, वहां से ममता की पार्टी का सफाया हो गया है। क्रांतिकारी विचारों वाले भद्रलोक में कमल खिलना वाकई हैरत पैदा करता है। मगर भाजपा ने यह कर दिखाया और ममता यह समझ ही नहीं पाई कि जिस कांटे से उन्होंने वामपंथ का कांटा निकाला था, भाजपा ने उसी कांटे से उन्हें ही निकाल बाहर किया।

तमिलनाडु में हिंदू और हिंदी विरोध खा गया स्टालिन को?

विवेक शुक्ला

तमिलनाडु के लिए चार मई 2026 का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज होगा। अभिनेता-राजनेता जोसेफ विजय की तमिलनाा वेट्टी कणम (टीवीके) ने राज्य विधानसभा पर कब्जा जमा लिया। सत्तासीन डीएमके तीसरे स्थान पर सिमट गई है, जबकि एआईएडीएमके दूसरे पर। मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन खुद कोलाथुर सीट से हार गए हैं। यह महज एक नई पार्टी की शुरुआती सफलता नहीं, बल्कि द्रविड़ पार्टियों के लंबे वर्चस्व का अंत है। और इस भूकंप का एक बड़ा कारण स्टालिन और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन का हिंदू तथा हिंदी विरोध है, जिसने डीएमके को खा लिया। टीवीके की यह शानदार सफलता संयोग नहीं। पार्टी की स्थापना 2024 में हुई थी। विजय, जिन्हें उनके प्रशंसक ‘थलापति’ कहते हैं, ने राजनीति में कदम रखते ही साफ संदेश दिया- भ्रष्टाचारमुक्त तमिलनाडु, नशामुक्त राज्य, युवाओं और महिलाओं का सशक्तिकरण। उन्होंने द्रविड़ दलों के पारंपरिक ‘उत्तर बनाम दक्षिण’ विभाजन से उत्पर उत्ठकर विकास, शिक्षा और रोजगार पर फोकस किया। 23 अप्रैल 2026 को हुए चुनाव में 85 प्रतिशत से अधिक मतदात दर्ज हुआ, जो तमिलनाडु के इतिहास में अभूतपूर्व है। युवा और महिलाएं इस बार टीवीके के प्रति आकर्षित हुए। विजय की फिल्मी छवि ने उन्हें ‘आम आदमी का नायक’ बना दिया। लेकिन टीवीके की इस सफलता का एक ओर गहरा आयाम है- डीएमके की नीतिगत और वैचारिक विफलता। स्टालिन सरकार ने अपने शासनकाल में हिंदू विरोध और हिंदी विरोध को अपनी पहचान बना लिया।



2023 में उदयनिधि स्टालिन ने ‘सनातन धर्म’ को मच्छर, डेंगू और कोविड की तरह ‘समाप्त’ करने की बात कही थी। उन्होंने इसे ‘दमनकारी व्यवस्था’ बताया। डीएमके ने इस बयान से दूरी नहीं बनाई, बल्कि इसे सनातन के खिलाफ अपनी पुरानी द्रविड़ आंदोलन की विरासत से जोड़ा। भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने इसे ‘हिंदू विरोध’ का प्रतीक बना दिया। तमिलनाडु की हिंदू बहुल आबादी, खासकर मध्यम वर्ग और ग्रामीण इलाकों के मतदाताओं ने इसे अपनी सांस्कृतिक पहचान पर हमला माना। 2026 के चुनाव में यह मुद्दा उभरा। इसी तरह हिंदी विरोध ने भी डीएमके को नुकसान पहुंचाया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तीन भाग फॉर्मूले को स्टालिन और उदयनिधि ने ‘हिंदी थोपने की साजिश’ बताया। चुनाव से पहले स्टालिन ने बार-बार कहा कि ‘हिंदी के लिए तमिलनाडु में कोई जगह नहीं- कल, आज और कल भी नहीं’। हिंदी विरोध की ऐतिहासिक जड़ें 1930-60 के आंदोलनों में हैं, लेकिन 2026 में युवा पीढ़ी इसे पुराना और अनावश्यक मानती है। आज तमिलनाडु के युवा आईटी, इंजीनियरिंग और स्टार्टअप्स में काम कर रहे हैं। वे अंजीबी के साथ हिंदी को अवसर मानते हैं, न कि खतरा। डीएमके का सख्त रुख उन्हें अलग-थलग महसूस कराता था।

क्या हैं इलेक्ट्रोलाइट्स, क्यों खतरनाक मानी जाती है इसकी कमी?

देश के ज्यादातर हिस्से इन दिनों भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेल रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, सेहत के लिए मुश्किलें भी बढ़ती जाती हैं। अमर उजाला में प्रकाशित रिपोटर्स में हमने बताया कि किस तरह से गर्मी बच्चों के लिए बेहद खतरनाक हो सकती है और किस तरह से ये लोगों में किडनी की बीमारियों का कारण बन सकती है।

गर्मी के दिनों में शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होना काफी आम है। विशेषज्ञ कहते हैं, इस मौसम में सिर्फ पानी पीना ही काफी नहीं है, बल्कि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स के संतुलन को बनाए रखना बहुत जरूरी है। इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी चक्कर आने, कमजोरी, लो ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम बढ़ाने वाली हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी और इसके कारण होने वाली समस्याओं को लेकर तो खूब चर्चा होती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ये इलेक्ट्रोलाइट्स आखिर होते क्या हैं और ये इतने जरूरी क्यों हैं?

इलेक्ट्रोलाइट्स के बारे में जान

क्या गर्मियों में भी अस्थमा अटैक का रहता है खतरा?

आज विश्व अस्थमा दिवस है। दुनिया भर में श्वसन से संबंधित इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और रोगियों में इसकी देखभाल को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से हर साल मई



लीजिए

इलेक्ट्रोलाइट्स ऐसे मिनरल्स होते हैं जो हमारे शरीर के लगभग हर जरूरी कार्यों को नियंत्रित करते हैं। ये हमारे खून, पसीने और शरीर के तरल पदार्थों में घुले रहते हैं और पानी के साथ मिलकर शरीर के अंदर संतुलन बनाए रखते हैं। सोडियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम जैसे जरूरी मिनरल्स इलेक्ट्रोलाइट्स हैं।

गर्मियों में जब शरीर से ज्यादा पसीना निकलता है, तो पसीने के साथ सोडियम, पोटैशियम और अन्य जरूरी इलेक्ट्रोलाइट्स भी शरीर से बाहर निकल जाते हैं।

यही कारण है कि सिर्फ पानी पीना हमेशा पर्याप्त नहीं होता, बल्कि सही इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखना भी उतना ही जरूरी होता है।

अगर यह संतुलन बिगड़ जाए तो शरीर में कमजोरी, चक्कर आना, मांसपेशियों में ऐंठन और दिल की धड़कन भी प्रभावित हो सकती है।

इलेक्ट्रोलाइट्स क्यों जरूरी माना जाता है?

मेडिकल रिपोटर्स के मुताबिक इलेक्ट्रोलाइट्स शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में इसकी भूमिका होती है।

मांसपेशियों और नर्वस सिस्टम के ठीक तरीके से काम करते रहने के लिए भी ये मिनरल्स जरूरी है। कैल्शियम और पोटैशियम नर्व सिग्नल्स स्वस्थ रखते हैं, जिससे मांसपेशियां सही तरीके से सिकुड़ती और फैलती हैं।

दिल की धड़कन को नियमित रखने में भी पोटैशियम जैसे मिनरल्स की बड़ी भूमिका होती है।

पोटैशियम की कमी (हाइपोकैलीमिया): पोटैशियम

दिल के काम-काज के लिए बहुत जरूरी है। इसकी कमी से दिल की धड़कनों में अनियमितता, मांसपेशियों में कमजोरी, ऐंठन, कब्ज और लकवा हो सकता है।

खाली पेट किन चीजों का सेवन सही और किनका गलत?

खाली पेट भोजन करना हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डाल सकता है। सही चीजे खाने से हमारी पाचन शक्ति मजबूत होती है, ऊर्जा बढ़ती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर होती है। वहीं, गलत चीजें खाने से पेट में गैस, अम्लता, कब्ज और अन्य पाचन समस्याएं हो सकती हैं।

इस आर्टिकल में हम जानेंगे कि कौन-कौन सी चीजे खाली पेट खानी चाहिए और कौन-कौन सी नहीं, ताकि हम अपने स्वास्थ्य को बेहतर रख सकें और दिनभर ऊर्जा महसूस करें। अगर आप इन बातों का ध्यान रखेंगे तो आपकी तबीयत खराब होने से बची रहेगी। खाली पेट किसका सेवन करें?

गुनगुना पानी + नींबू
गुनगुना पानी शरीर को हाइड्रेट करता है और नींबू इसमें विटामिन C जोड़ता है।
यह शरीर को डिटॉक्स करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता

नियमित सेवन से वजन कम करने में मदद मिलती है और सुबह ऊर्जा मिलती है।
भिगोए बादाम
रात भर भिगोर सुबह खाने से बादाम ज्यादा पोषक तत्व प्रदान



करता है।
यह मस्तिष्क की कार्य क्षमता और याददाश्त बढ़ाता है।
शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के साथ हड्डियों के लिए भी फायदेमंद है।
धिगी किशमिश

गर्मी में आंखों में जलन क्यों बढ़ जाती है? जाने मुख्य कारण और बचाव के तरीके



गर्मी का मौसम आते ही जहां तापमान बढ़ता है, वहीं इसका असर हमारे शरीर के कई हिस्सों पर भी देखने को मिलता है। आंखें भी इससे अछूती नहीं रहतीं। इस मौसम में अक्सर लोगों को आंखों में जलन, सूखापन, लालिमा और चुभन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कई बार लोग इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन समय पर ध्यान न देने से यह परेशानी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि गर्मी में आंखों में जलन क्यों होती है और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। सही देखभाल और कुछ आसान उपाय अपनाकर आप अपनी आंखों को स्वस्थ और सुरक्षित रख सकते हैं।

इन वजहों से गर्मी में जलती हैं आंखें
गर्मी में सूर्य की किरणें काफी तीव्र होती हैं,

मैग्नीशियम की कमी (हाइपोमैग्नेसीमिया): इसकी वजह से चिड़चिड़ापन, मांसपेशियों में ऐंठन, स्वभाव में बदलाव, दौरे पड़ने और दिल की धड़कनों में अनियमितता का जोखिम रहता है।

सोडियम की कमी (हाइपोनेट्रेमिया): सोडियम की कमी से तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्याएं होती हैं। इससे लो बीपी, जो मिचलाने, उल्टी, चक्कर आने, भ्रम और दौरे पड़ने का खतरा रहता है।

इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस कैसे बनाए रखें?

शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहने के साथ मिनरल्स की पूर्ति करते रहना भी जरूरी है।

नारियल पानी, केला, संतरा, तरबूज, दही और नमक युक्त पेय पदार्थ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। ओआरएस के इस्तेमाल की सलाह दी है। घर पर भी ओआरएस बनाकर इसके सेवन से लाभ पाया जा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखने के लिए संतुलित आहार जैसे फल-सब्जियां और सीमित मात्रा में नमक का सेवन भी बहुत जरूरी है।

चाय को ज्यादा देर तक उबालना कितना हानिकारक?



भारतीय घरों में चाय की चुस्की के बिना दिन शुरू नहीं होता। लोग इसे गैस पर चढ़ाकर उबलने देते हैं। ऐसा माना जाता है कि चाय जितनी ज्यादा देर तक उबलेगी, उतना ही इसका स्वाद अच्छा आएगा। पर हकीकत इससे काफी अलग है।

पर, क्या आपने कभी सोचा है कि जरूरत से ज्यादा उबाली गई चाय आपके स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है? आमतौर पर लोग चाय को लंबे समय तक उबालकर उसका स्वाद और गाढ़ापन बढ़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन यही आदत शरीर पर नकारात्मक असर डाल सकती है। बहुत से लोगों को इस बारे में जानकारी ही नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि हम चाय बनाने के सही समय और तरीके को समझें, ताकि हम इसके स्वाद के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकें। आइए इस लेख में आपसे

इसी बारे में बात करते हैं।
कितनी देर उबालनी चाहिए चाय?

चाय बनाने का सही समय और तरीका आपके स्वास्थ्य पर सीधा असर डालता है। अक्सर लोग चाय को ज्यादा देर तक उबालकर उसे गाढ़ा और स्ट्रॉंग बनाना पसंद करते हैं, लेकिन यह आदत नुकसानदेह हो सकती है।

1–2 मिनट: यह चाय बनाने का सबसे सही समय माना जाता है। इसमें स्वाद, सुगंध और पोषक तत्व संतुलित रहते हैं।

3–5 मिनट: इस दौरान चाय थोड़ी ज्यादा स्ट्रॉंग हो जाती है, लेकिन धीरे-धीरे इसके पोषक तत्व कम होने लगते हैं।

6–10 मिनट: ज्यादा उबालने से चाय में टैनिन और कैफीन की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे पाचन पर असर पड़ सकता है।

10 मिनट से अधिक: इतनी देर तक उबली चाय शरीर के लिए

करें
चाय/कॉफी
खाली पेट चाय या कॉफी पीने से एसिडिटी, गैस और सिरदर्द हो सकता है।
पाचन तंत्र कमजोर होता है और पेट की परत पर असर पड़ता है।
कोल्ड ड्रिंक
खाली पेट कोल्ड ड्रिंक पीने से पेट की परत को नुकसान पहुंचता है।
मोटापा बढ़ सकता है और पाचन धीमा हो जाता है।
टमाटर
इसमें एसिडिटी अधिक होती है, इसलिए खाली पेट लेने से पेट में जलन हो सकती है।
अम्लता बढ़ सकती है और गैस की समस्या हो सकती है।
खट्टे फल
खाली पेट खाने से एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है।
पेट की नाजुक परत पर असर डालकर अम्लता बढ़ा सकते हैं।

गर्मियों में स्विमिंग करने के क्या नुकसान हैं?

जान लें ताकि न हो कोई परेशानी

गर्मी के मौसम में स्विमिंग करना न केवल राहत देता है बल्कि यह एक बेहतरीन एक्सरसाइज भी माना जाता है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के बीच लोग स्विमिंग पूल या नदी में तैराकी करना पसंद करते हैं, जिससे शरीर को ठंडक मिलती है और फिटनेस भी बनी रहती है।

फर, क्या आप जानते हैं कि स्विमिंग के जितने फायदे हैं, उतने ही नुकसान भी हैं। ऐसे में स्विमिंग करते समय कुछ सावधानियां बरतना भी जरूरी हैं जिनका ध्यान रखना बेहद आवश्यक है। इस लेख में हम आपको स्विमिंग के नुकसान और जरूरी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताएंगे।

स्विमिंग के नुकसान
1. त्वचा संक्रमण
अगर स्विमिंग पूल का पानी

करता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में क्लोरीन आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। बिना गॉगल्स के तैरने पर आंखों में जलन, लालपन और सूखापन महसूस हो सकता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर आंखों की समस्या बढ़ सकती है।

3. कान में संक्रमण
स्विमिंग के दौरान पानी का कानों में जाना एक आम समस्या है। जब पानी कान में फंस जाता है, तो उसमें बैक्टीरिया विकसित हो सकते हैं, जिससे "स्विमर ईयर" जैसी समस्या हो सकती है। इससे कान में दर्द, खुजली और कभी-कभी सुनने में भी परेशानी हो सकती है।

स्विमिंग करते समय सावधानियां
हमेशा ऐसे स्विमिंग पूल या स्थान का चयन करें जहां पानी की



साफ नहीं है या उसमें सही मात्रा में केमिकल्स का संतुलन नहीं रखा गया है, तो उसमें बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं। ऐसे पानी में स्विमिंग करने से त्वचा पर रैश, खुजली, लाल चकत्ते या एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिन लोगों की त्वचा संवेदनशील होती है, उन्हें यह समस्या ज्यादा जल्दी हो सकती है। इसलिए स्विमिंग से पहले पानी की साफ-सफाई पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

2. आंखों में जलन
अधिकांश स्विमिंग पूल में पानी को साफ रखने के लिए क्लोरीन का उपयोग किया जाता है। हालांकि यह कीटाणुओं को खत्म

नियमित सफाई और मेंटेनेंस होता हो।

गंदे पानी में तैरना कई तरह के संक्रमण का कारण बन सकता है, इसलिए स्वच्छता सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

आंखों को क्लोरीन से बचाने के लिए गॉगल्स पहनना जरूरी है। स्विमिंग कैप बालों को नुकसान से बचाती है और उन्हें सूखा व सुरक्षित रखती है।

पूल से बाहर आने के बाद तुरंत साफ पानी से नहाना चाहिए, ताकि शरीर पर लगे क्लोरीन और बैक्टीरिया हट जाएं।

लंबे समय तक पानी में रहने से शरीर थक सकता है और ठंड लगने का खतरा बढ़ जाता है।



महीने के पहले मंगलवार को वर्ल्ड अस्थमा डे मनाया जाता है।
सांस की नलियों में सूजन के कारण होने वाली ये बीमारी हर साल लाखों लोगों की मौत का कारण भी बनती है। धूल-धुआ, प्रदूषण के अलावा बदलते मौसम में भी अस्थमा के अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी मरीजों को सांस की समस्याओं को ट्रिगर होने से बचाने के लिए उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। कई रिपोटर्स बताते हैं कि सर्दी का मौसम अस्थमा रोगियों के लिए काफी कठिनाइयों वाला होता है, ऐसे में सवाल है कि क्या गर्मियां भी अस्थमा अटैक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है?

चूंकि इन दिनों तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखी जा रही है तो क्या अस्थमा रोगियों को सावधान हो जाने की जरूरत है?
क्या कहते हैं विशेषज्ञ?
भारत में इन दिनों पारा लगातार 40 के पार बना हुआ है, क्या बढ़ती गर्मी अस्थमा रोगियों के लिए खतरनाक है?
ठंडा और गर्म दोनों ही मौसम अस्थमा रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है। पर्यावरण और बढ़ते तापमान का सीधा असर श्वसन स्थितियों पर पड़ता है। गर्म मौसम, प्रदूषण और एलर्जी के स्तर में वृद्धि सीधे तौर पर अस्थमा अटैक के जोखिम को बढ़ाते हैं।

गर्म मौसम में वायुमार्ग के संकुचित होने का खतरा रहता है। प्रदूषकों (ओजोन) का स्तर बढ़ने और ह्यूमिडिटी बिगड़ने के कारण अस्थमा के अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है। ज्यादा गर्मी के दिनों में डिहाइड्रेशन होने का

चलता है कि जब तापमान बढ़ता है, तो हवा में ओजोन और पार्टिकुलेट मैटर का स्तर भी बढ़ जाता है, जो फेफड़ों में सूजन और सांस लेने में तकलीफ पैदा करता है। ये सभी फैक्टर मिलकर अस्थमा के मरीजों के लिए ट्रिगर का काम करते हैं।
इसके अलावा गर्मी में डिहाइड्रेशन, इलेक्ट्रोलाइट्स के असंतुलन और थकान के कारण भी सांस की तकलीफ बढ़ सकती है।

सेटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के डेटा के अनुसार, हीटवेव के दौरान अस्पतालों में अस्थमा से जुड़ी इमरजेंसी में 10-15% तक की वृद्धि देखी गई है।

गर्मियों में अस्थमा रोगी क्या उपाय करें?

अस्थमा के मरीजों को मौसम में होने वाले बदलाव के दिनों में सेहत को लेकर खास सावधानी बरतने की जरूरत होती है।

अस्थमा से बचाव के लिए सबसे पहले उन चीजों से दूरी बनाएं जो आपकी समस्या को ट्रिगर कर सकते हैं।

घर के अंदर साफ-सफाई बनाए रखना जरूरी है। एयर कंडीशनर और कूलर के फिल्टर को नियमित साफ करें।

गर्मियों में हाइड्रेशन बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। पर्याप्त पानी पीने से म्यूकस पतला रहता है और सांस लेने में आसानी होती है।

डॉक्टर की सलाह पर दवाओं और इनहेलर का नियमित उपयोग करें।

यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो मास्क पहनें। यह धूल और एलर्जन से बचाव करता है।

भाजपा में गए 7 आप सांसदों की सदस्यता रद्द हो : भगवंत

नईदिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान



ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह मुलाकात राजधानी में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास पर हुई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि जिस तरह से आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सांसदों ने खुद को अलग पार्टी बताकर भाजपा में विलय किया, वह संविधान का उल्लंघन है और असंवैधानिक है। हमने भाजपा में शामिल हुए आम आदमी पार्टी के उन राज्यसभा सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की है। अगर केंद्र सरकार पंजाब में अपनी शक्ति का दुरुपयोग करती है, तो हम कार्रवाई करेंगे। भगवंत मान ने कहा कि अगर हमारे दस में से सात सांसद एक साथ मिलकर किसी दूसरी पार्टी में विलय की घोषणा कर दें, तो ऐसा कोई कानून नहीं है। वे मनमानी नहीं कर सकते। देश कानून के अनुसार चलता है। अगर उन्हें आम आदमी पार्टी से इतनी ही नफरत थी, तो वे इस्तीफा दे देते।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले राघव चड्ढा

नईदिल्ली। राघव चड्ढा ने अपनी पूर्व पार्टी



द्वारा प्रतिशोध की राजनीति का आरोप लगाया और कहा कि सूत्रों ने उन्हें बताया है कि वह अगला निशाना होंगे। राघव चड्ढा हाल ही में छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। मंगलवार को चड्ढा ने सांसद संदीप पाठक और अशोक मि्तल के साथ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा कुछ सांसदों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर चिंता जताई। चड्ढा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हमने राष्ट्रपति को बताया कि पंजाब सरकार आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सांसदों के खिलाफ खतरनाक प्रतिशोध की राजनीति के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है। चड्ढा ने आगे कहा कि सूत्रों के अनुसार, मैं उनका अगला निशाना होऊंगा। पंजाब सरकार ने हमें सोशल मीडिया पर धमकाने के लिए एजेंसियों को काम पर रखा है।

हार के बाद तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने दिया इस्तीफा

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव में



मिली हार के बाद द्रमुक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया है। पार्टी सूत्रों ने जानकारी दी है कि उनका इस्तीफा पत्र राज्य के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अलैंकर के कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में अभिनेता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी टीवीके ने सत्ताधारी द्रमुक को करारी शिकस्त दी है। इसी हार के बाद स्टालिन ने सत्ता छोड़ने का यह बड़ा कदम उठाया है, जिससे राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद एमके स्टालिन ने राज्य की जनता का दिल से आभार जताया है। सत्ता हाथ से जाने के बावजूद स्टालिन ने चुनाव नतीजों को स्वीकार करते हुए द्रमुक गठबंधन का साथ देने वाले सभी मतदाताओं को धन्यवाद दिया है।

बंगाल में भाजपा की जीत लोकतंत्र की हत्या : राउत

मुंबई। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी



को भारी बहुमत मिला है और वह पहली बार राज्य में सरकार बनाने जा रही है। पश्चिम बंगाल में, भाजपा ने 206 सीटें जीतकर विधानसभा में दो-तिहाई से अधिक बहुमत हासिल कर लिया है, जिससे टीएमसी का 15 साल का शासन समाप्त हो गया है। हालांकि, इसको लेकर विपक्ष भाजपा पर बड़े आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजों पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि मेरा मानना ​​है कि यह लोकतंत्र की जीत नहीं है। यह निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जीत है। पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों की तरह, एसआईआर के जरिए लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए और उन्हें वोट डालने का अधिकार नहीं मिला। जीत और हार के बीच 11 लाख वोटों का अंतर है। अगर 9 लाख वोट काट दिए गए, तो यह प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह की जीत कैसे हो सकती है?... मैंने इस तरह के चुनाव पाकिस्तान, रूस और अजरबैजान में देखे हैं।

बिहार में सात मई को होगा मंत्रिमंडल विस्तार

पटना। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन



की नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार सात मई को होगा। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जो लिस्ट लेकर दिल्ली गए थे, उस पर आलाकमान ने मुहर लगा दी है। इसके बाद स्पष्ट हो गया कि गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह होगा। इसके लिए तैयारियां चल रही है। प्रदेश अध्यक्ष संजय सरागवी ने बताया कि सात मई को गांधी मैदान में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में नई सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार होगा। इस शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल होंगे। सम्राट चौधरी फिलहाल 30 मंत्रियों को शपथ दिलाने की तैयारी में हैं। इनमें भाजपा से 12, जदयू से 11, लोजपा (रामविलास) से और रालोमो व हम से एक-एक मंत्री बनेंगे। गृह विभाग और विधानसभा अध्यक्ष का पद भाजपा अपने पास ही रखेगी। जदयू, रालोमो और हम कोई खास प्रयोग नहीं करेगी।

कैबिनेट का बड़ा फैसला

मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी को मंजूरी दी

नईदिल्ली। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मंगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कपास क्षेत्र में उत्पादन, गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन फॉर कॉटन प्रोडक्टिविटी को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के लिए वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल 5,659.22 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।



उन्होंने कहा कि सरकार का यह मिशन कपास क्षेत्र में घटती उत्पादकता, गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों और संरचनात्मक

बाधाओं को दूर करने पर केंद्रित है। यह पहल भारत सरकार के 5एफ् विजन, फार्म से फाइनर, फाइबर से फैक्ट्री, फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजार के

अनुरूप तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि कपास की गुणवत्ता सुधारने के लिए जिनिंग और प्रोसेसिंग इकाइयों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। तथा देशभर में आधुनिक और मानकीकृत परीक्षण प्रयोगशालाओं का नेटवर्क मजबूत किया जाएगा। %कस्तूरी कॉटन भारत% पहल के तहत ब्रांडिंग और ट्रेसबिलिटी को बढ़ावा देकर भारतीय कपास को वैश्विक बाजार में प्रीमियम उत्पाद के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है।

मिशन के अंतर्गत मंडियों का डिजिटलीकरण कर किसानों को पारदर्शी

मूल्य और सीधे बाजार तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा कपास अपशिष्ट के पुनर्चक्रण और सर्कुलर इकॉनमी को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय प्रभाव कम करने पर भी जोर दिया जाएगा।

श्री वैष्णव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2031 तक कपास उत्पादन को 498 लाख गांठ (प्रति गांठ 170 किलोग्राम) तक पहुंचाना और उत्पादकता को 440 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 755 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर करना है। इस मिशन से करीब 32 लाख किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है

हार की समीक्षा के लिए ममता ने बनाई टीम

कहा- इंडी गठबंधन एकजुट; आज कोलकाता आएंगे

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र राज्यपाल सीबी आनंद बोस को भेजा है। सूत्रों के अनुसार, दत्ता ने इस्तीफे के पीछे व्यक्तिगत कारणों का हवाला दिया है। दत्ता का यह दूसरा कार्यकाल था, जिसकी शुरुआत दिसंबर 2023 में एसएन मुखर्जी के इस्तीफे के बाद हुई थी। इससे पहले वह साल 2017 से 2021 तक भी इस जिम्मेदारी को संभाल चुके हैं। ममता बनर्जी सरकार के कार्यकाल में अब तक पांच महाधिवक्ता बदले जा चुके हैं। फिलहाल सरकार ने नए नाम की घोषणा नहीं की है।

चेन्नई में तमिलनाा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय की ओर से बुलाई गई नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में शामिल होने के बाद विधायक मैरी विल्सन ने पार्टी की जीत को युवाओं की आकांक्षाओं से जोड़ा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने उत्साह के साथ कहा कि यह चुनाव परिणाम जैन-जी का फैसला है। बैठक के दौरान पार्टी प्रमुख ने सभी विधायकों को जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने और नए जमाने की राजनीति के माध्यम से जनसेवा करने का मंत्र दिया। चेन्नई में तमिलनाा वेत्री कझगम के पार्टी प्रमुख विजय ने नवनिर्वाचित विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें भविष्य की कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक के बाद तिरुवनमलाई के पोलूर निर्वाचन क्षेत्र से विधायक अभिषेक आर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु जनता की सेवा और उनके कल्याण के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदम थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का प्राथमिक लक्ष्य लोगों की समस्याओं का समाधान करना और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध रहना है, जिसके लिए पार्टी नेतृत्व ने विधायकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। पश्चिम बंगाल चुनाव



परिणामों में मिली शिकस्त के बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में हार की विस्तृत समीक्षा के लिए एक विशेष टीम गठित करने का एलान किया है। चुनाव आयोग पर भगवा पार्टी के पक्ष में काम करने और मतदाता सूची में धांधली का आरोप लगाते हुए ममता ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे अत्याचारी चुनाव था। हार के बावजूद विपक्षी एकजुटता का संदेश देते हुए उन्होंने बताया कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अरविंद केजरीवाल और उद्धव ठाकरे समेत इंडी गठबंधन के तमाम नेताओं ने उन्हें फोन कर अपना समर्थन दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव कल छह मई को उनसे मिलने कोलकाता आएंगे, जिसके बाद गठबंधन के अन्य नेता भी बारी-बारी से मुलाकात करेंगे ताकि आगे की साझा रणनीति तैयार की जा सके। चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी ने एक विशेष टीम गठित करने की घोषणा की है। इस टीम का काम होगा बंगाल में पार्टी की हार का समीक्षा करना। इसमें पार्टी के दस नेता शामिल होंगे। ममता ने कहा कि यह चुनाव नहीं, बल्कि जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों और ईवीएम की खुली लूट थी। उन्होंने तकनीकी धांधली पर सवाल उठाते हुए पूछा कि वोटिंग के बाद भी ईवीएम में 80-90% चार्ज कैसे रह सकता है? यह नामुमकिन है। ममता ने सनसनीखेज दावा किया कि चुनाव से दो दिन पहले उनके कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया,।

स्टेल प्रमुख समाचार

ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेंगी भारत की पुरुष और महिला अंडर-18 हॉकी टीमें



नईदिल्ली। भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें एशिया कप की तैयारियों को मजबूत करने के लिए 15 से 20 मई के बीच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की सीरीज खेलेंगी। यह मुकाबले भोपाल में आयोजित होंगे, जहां दोनों टीमें ने हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण के केंद्र में अभ्यास शिविर भी लगाया था। यह सीरीज खिलाड़ियों के लिए अपनी रणनीति और संयोजन को अंतिम रूप देने का बेहतरीन मौका मानी जा रही है।

यह सीरीज खास तौर पर इसलिए अहम है क्योंकि इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में अंडर-18 एशिया कप शुरू होने का रहा है। ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलेगा, जो टूर्नामेंट में उनके प्रदर्शन के लिए बेहद जरूरी साबित हो सकता है।

पुरुष टीम के कोच सरदार सिंह ने बताया कि शिविर के दौरान खिलाड़ियों के बुनियादी कौशल और फिटनेस पर खास ध्यान दिया गया है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य खिलाड़ियों को आधुनिक हॉकी की मांग के अनुसार तैयार करना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज हमारी तैयारी का अहम हिस्सा होगी। महिला टीम की कोच रानी रामपाल ने भी इस सीरीज को खिलाड़ियों के लिए बड़ा मौका बताया। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने का अनुभव देंगे। यह एशिया कप से पहले अपनी क्षमता दिखाने और आत्मविश्वास बढ़ाने का शानदार अवसर है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/

प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 252 अंक गिरा निफ्टी 24,000 के ऊपर बंद

नईदिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट लेकर लाल निशान पर बंद हुए। बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने पिछले सत्र की बढ़त गंवा दी, क्योंकि पश्चिम एशिया में हालात बिगड़ने की आशंका के बीच बैंकिंग, रियल्टी, ऑयल और गैस शेयरों पर दबाव बना रहा। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 77,103.72 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान इंडेक्स ने 77,151.33 के हाई और 76,515.03 के लो रेंज में ट्रेड किया। अंत में, सेंसेक्स 251.61 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट लेकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, निफ्टी-50 24,052.60 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान इंडेक्स ने 24,081.70 के हाई और 23,882.05 के लो रेंज में ट्रेड किया। अंत में, निफ्टी-50 86.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ।

अप्रैल में 26 लाख से ज्यादा वाहनों की बिक्री

नईदिल्ली। भारत में कुल ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री अप्रैल में 12.94 प्रतिशत बढ़कर 26,11,317 यूनिट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने के 23,12,221 यूनिट से अधिक है। इस तरह नए वित्त वर्ष की शुरुआत मजबूत रही। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) ने मंगलवार को रिटेल बिक्री के आंकड़े जारी किए। फाडा ने बयान में कहा कि जीएसटी 2.0 से कीमतों में कमी, आरबीआई की अनुकूल ब्याज दर नीति, मजबूत रबी सीजन के बाद ग्रामीण कैंश फ्लो ने इंडस्ट्री प्रदर्शन को मजबूती दी। पैसंजर व्हीकल सेगमेंट में खुदरा बिक्री अप्रैल में रिकॉर्ड 4,07,355 यूनिट रही, जो अप्रैल 2025 के मुकाबले 12.21% अधिक है। टू-व्हीलर्स की बिक्री भी इस साल अप्रैल में 19,16,258 यूनिट के साथ अब तक के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गई।

आरबीआई का फैसला, 1 जुलाई से बदल जाएगा ईएमआई नियम

नईदिल्ली। अगर आपने बैंक से होम लोन, कार लोन या किसी भी तरह का कर्ज ले रखा है तो 1 जुलाई 2026 से आपके लिए बैंकिंग के नियम बदलने जा रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए उन ग्राहकों को बड़ी राहत दी है जो प्राकृतिक आपदाओं (बाढ़, भूकंप आदि) का शिकार हो जाते हैं। अब मुसीबत के समय आपको बैंक के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे बल्कि बैंक खुद चक्रदार आपकी मदद करेगा। बता दें कि अभी तक का नियम यह था कि आपदा आने पर राहत पाने के लिए ग्राहकों को खुद बैंक जाकर लंबी कागजी कार्रवाई करनी पड़ती थी। 1 जुलाई से बैंक खुद यह तय करेंगे कि उनके किस ग्राहक को राहत की जरूरत है। बैंक अपनी मर्जी से आपकी ईएमआई टाल सकते हैं किस्तों की अवधि बढ़ा सकते हैं या कुछ फीस माफ कर सकते हैं।

पीएनबी का चौथी तिमाही का मुनाफा 14 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में मुनाफा सालाना आधार पर 14.4 प्रतिशत बढ़कर 5,225 करोड़ रुपए हो गया। त्रैमासिक का इसका एक वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में मुनाफा 4,567 करोड़ रुपए रहा था। पीएनबी ने शेयर बाजार को मंगलवार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय हालांकि घटकर 36,319 करोड़ रुपए रह गई जो एक वर्ष पहले 36,705 करोड़ रुपए थी। ब्याज आय बढ़कर 31,989 करोड़ रुपए से बढ़कर 32,157 करोड़ रुपए हो गई। संपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर, बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) सकल अग्रिमों की 2.95 प्रतिशत रहीं जो मार्च 2025 के अंत में 3.95 प्रतिशत थीं।

अर्थव्यवस्था को झटकों से बचाने के लिए ‘प्लान-बी’ तैयार करना जरूरी

जनक राज

ईरान संकट के बीच तेल के बढ़ते दाम ने भारतीय अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। मौजूदा हालात के बीच तेल के आयात पर निर्भरता कम करने और देश की अर्थव्यवस्था को गंभीर एवं दूरगामी परिणामों से बचाने के उपाय तत्काल सोचने की जरूरत आन पड़ी है। तेल की ऊंची कीमतों ?से आपूर्ति के मोर्चे पर व्यवधान उत्पन्न होता है जिससे आर्थिक वृद्धि और और मुद्रास्फीति दोनों की चाल एक दूसरे के उलट हो जाती है। इससे कंपनियों को आय कम होती है और निवेश बाहर जाने लगता है। इसका नतीजा यह होता है कि देश के बढ़ते चालू खाते का घाटा निर्यात नहीं हो पाता है और रुपया कमजोर होने लगता है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए तेल की खपत कम करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारत के तेल आयात (मात्रा के हिसाब से) में कमी आ रही है। वर्ष 2005-06 से 2009-10 के दौरान 10.8 फीसदी सालाना औसत वृद्धि दर की तुलना में कच्चे तेल के आयात में 2020-21 से 2024-25 के दौरान महज 1.9 फीसदी की वृद्धि हुई। शुद्ध तेल आयात 2005-06 से 2009-10 के दौरान औसतन 8.3 फीसदी सालाना दर से बढ़ा मगर 2020-21 से 2024-25 की अवधि में यह दर कम होकर 2.6 फीसदी रह गई।

भारत की तेल पर निर्भरता भी घट रही है जो ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और स्वच्छ ईंधन की ओर रुख करके तेल पर निर्भरता कम करने के प्रयासों को दर्शाती है। सरकार जैव ईंधन के बढ़ते उपयोग को और बढ़ावा दे रही है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में भारत का शुद्ध तेल आयात वर्ष 2005-10 के दौरान 4.4 फीसदी से घट



कर वर्ष 2020-25 के दौरान 3.0 फीसदी रह गया। यह अनुमान लगाया गया है कि भारत का शुद्ध तेल आयात वर्ष 2024-25 में जीडीपी के 2.9 फीसदी से घट कर 2029-30 में 1.9 फीसदी और 2039-40 तक और घट कर 1.0 फीसदी हो जाएगा। हालांकि, अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ने के कारण शुद्ध तेल आयात बढ़ सकता है जो वर्ष 2024-25 के 22.9 करोड़ टन से बढ़कर वर्ष 2039-40 तक अनुमानित 34.0 करोड़ टन हो जाएगा। इस तरह, जीडीपी के सापेक्ष तेल आयात का

बोज़ भले ही कम हो जाए मगर अगले 15 वर्षों में तेल पर भारत की भौतिक निर्भरता बढ़ती रहेगी। यह स्थिति ऊर्जा सुरक्षा के लिए टिकाऊ और रणनीतिक समाधानों की आवश्यकता पर जोर देती है।

सबसे पहले तो तेल की मांग काफी हद तक कम करना और इसके आयात पर निर्भरता घटना बेहद जरूरी है। परिवहन क्षेत्र (जो तेल का काफी इस्तेमाल करता है) में बदलाव की गति काफी धीमी बनी हुई है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने की दर और इसका मौजूदा स्वरूप निराशाजनक रहा है। वर्ष 2024 में सभी सड़क परिवहन वाहनों में इन वाहनों की हिस्सेदारी केवल 8.8 फीसदी थीं जिनमें से अधिकांश दोपहिया वाहन (6.1 फीसदी), तिपहिया वाहन (2.1 फीसदी) और यात्री कारों (0.4 फीसदी) थीं। इसके विपरीत, चीन में सड़क परिवहन वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी 40

फीसदी थी जिनमें यात्री कारों की हिस्सेदारी 24 फीसदी और दोपहिया और तिपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 16 फीसदी थी।

मुख्य बात यह है कि भारत में ईवी को अपनाना अब तक कम चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों तक ही सीमित रहा है, यहां तक ​​कि यात्री कारों की हिस्सेदारी भी बहुत कम है। इसका एक प्रमुख कारण यह है कि अंतर-शहरी यात्री कारों और बस एवं ट्रक जैसे भारी वाणिज्यिक वाहनों के लिए चार्जिंग ढांचा नाकाफी है। वैश्विक स्तर पर हर 6 से 20 ईवी वाहनों के लिए एक सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन का होना जरूरी समझा जाता है जबकि भारत में प्रत्येक 135 ईवी के लिए एक चार्जिंग स्टेशन है। ईवी वाहन तेजी से अपनाते और यात्री कारों एवं भारी वाणिज्यिक वाहनों की ओर रुझान बढ़ाने के लिए उपयुक्त स्थानों पर मध्यम और तीव्र चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इनोवेशन महाकुंभ का बस्तर यूनिवर्सिटी में समापन

स्टार्टअप की अपार संभावनाएं: सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जगदलपुर में शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र में प्रतिभा और संभावनाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मंच, मार्गदर्शन और अवसर की है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से युवाओं को नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मजबूत प्लेटफॉर्म मिल रहा है। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर के समग्र विकास के लिए तैयार रोडमैप का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें रोजगार, शिक्षा, स्टार्टअप और अधोसंरचना का विशेष ध्यान रखा गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि नियद नेह्ना नार योजना का विस्तार कर इसे नियद नेह्ना नार 2.0 के रूप में 10 जिलों में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ को इनोवेशन हब बनाने के उद्देश्य से नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-30 लागू की गई है। इस नीति के तहत युवाओं



को आइडिया से लेकर व्यवसाय विस्तार तक हर स्तर पर सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि आर्थिक सहायता जैसी सुविधाओं से स्टार्टअप को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग विकसित बस्तर से होकर जाता है। उन्होंने कहा कि बस्तर में आदिवासी कला, लघु वनोपज, जैविक कृषि, पर्यटन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें तकनीक, ब्रांडिंग और ई-कॉमर्स

से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर में पर्यटन के बढ़ने से होमस्टे, स्थानीय गाइड, हस्तशिल्प और वनोपज की मांग बढ़ेगी, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्वास जताया कि बस्तर का युवा उद्यमिता के माध्यम से विकसित बस्तर, विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम में नवाचार करने वाले बेस्ट आइडिया और बेस्ट स्टार्टअप के विजयी प्रतिभागियों को

प्रोत्साहन राशि, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि उद्यमिता और स्वरोजगार को अपनाकर युवा आगे बढ़ें, ताकि अपने घर-परिवार को खुशहाल बना सकें। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि इस इनोवेशन महाकुंभ के माध्यम से युवाओं को एक मंच मिला है, जिससे वे अपने नवाचार को आगे बढ़ाने के साथ ही आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वयं का व्यवसाय या स्वरोजगार स्थापित कर नौकरी देने वाले बनें और अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनें।

इस अवसर पर सांसद बस्तर महेश कश्यप एवं विधायक जगदलपुर किरण देव ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार के जरिये उद्यमिता एवं स्वरोजगार अपनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सहभागिता निभाने के लिए युवाओं से आह्वान किया।

विकसित कृषि संकल्प का प्रचार वाहन रवाना



■ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर।उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज सुशासन तिहार के तहत दुर्ग जिले के पाटन में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान क्षेत्र के विकास को नई गति देने 9 करोड़ 96 लाख रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इसमें 5 करोड़ 8 लाख रूपए से अधिक के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और 4 करोड़ 87 लाख रूपए से अधिक के कार्यों

के लोकार्पण शामिल हैं। सांसद श्री विजय बघेल की सुशासन तिहार में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कार्यक्रम में विकसित कृषि संकल्प अभियान के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन 20 मई तक गांव-गांव में जाकर कृषि संबंधित नई तकनीकों एवं सरकार की योजनाओं की जानकारी देगा और किसानों के साथ सीधा संवाद करेगा। उन्होंने जनसमस्या निवारण शिविर का निरीक्षण कर अधिकारियों को लोगों की शिकायतों एवं मांगों के तत्परतापूर्वक निराकरण के निर्देश

दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में पाटन नगर पंचायत को विभिन्न योजनाओं में करीब 24 करोड़ रूपए दिए गए हैं। इससे शहर के विकास को नई गति मिली है। सड़क, स्वच्छता, आवास और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने सरकार की अनेक योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना, किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, महतारी वंदन योजना के तहत 27 महीनों की राशि के भुगतान के साथ अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तेज गति से योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है और गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनकर समाधान कर रही है।

रायपुर में झमाझम बारिश तपती गर्मी पर ब्रेक



रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। रायपुर, गोंरला-पेंड्रा-मरवाही, गरियाबंद और कांकेर समेत कई जिलों में मंगलवार को आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ ही झमाझम बारिश हो रही है, जिससे लोगों को गर्मी और तेज धूप से राहत मिली है। बारिश के कारण तापमान में भी गिरावट आ गई है और ऐसे में मौसम खुशनुमा हो गया है। गोंरला-पेंड्रा-मरवाही में पिछले तीन दिनों से मौसम के मिजाज में बदलाव जारी है। दोपहर बाद बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। मंगलवार दोपहर बाद भी मौसम का मिजाज बदल गया

और आंधी-तूफान के साथ बारिश हो रही है, जिससे साप्ताहिक बाजार अस्पष्ट रह गया है। दुकानदारों की दुकानें बारिश से खराब हो गईं। साथ ही बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया है।

गरियाबंद में भी तेज हवाओं के साथ तेज बारिश हो रही है, जिससे लोगों को गर्मी से भारी राहत मिली है। वहीं बारिश के बाद मौसम भी खुशनुमा हो गया है, लेकिन इस बारिश से तेंदूपता को भारी नुकसान हो सकता है। इसको लेकर अनेक ग्रामीणों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। कांकेर जिले के चारामा में मंगलवार दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदल गया और तेज आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई। करीब एक घंटे की इस बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। तेज हवाओं और बारिश के कारण बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है।

अब कोई भी नया बल्क कनेक्शन बिना एमआईसी स्वीकृति के कदापि नहीं: महापौर

रायपुर। महापौर मीनल चौबे एवं नगर निगम कमिश्नर विश्वदीप ने आज पेयजल आपूर्ति को लेकर निगम अफसरों की आवश्यक बैठक ली। बैठक में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अब कोई भी नया बल्क कनेक्शन बिना एमआईसी की स्वीकृति के कदापि नहीं दिया जाये। पेयजल के अपव्यय को अधिकारीगण कड़ाई के साथ रोकें। अवैध नल कनेक्शनों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करें।

महापौर ने सभी जोन कमिश्नरों को अपने अपने जोन क्षेत्र में नगर निगम की संपत्तियों की पुख्ता जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिये ताकि उनसे नगर निगम को अधिकाधिक राजस्व प्राप्त हो सके एवं नगर हित में योजनाएं संचालित की जा सकें। महापौर ने अवैध नलों सहित अवैध निर्माणों पर नियमानुसार नोटिस देकर कड़ाई के साथ



कार्यवाही करने, गर्मी में पंप लगाकर पानी खींचने वाले लोगों पर कार्यवाही कर पंप जप्त करने के निर्देश दिये। समस्याग्रस्त क्षेत्रों में टैंकरो से पेयजल उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये।

निगम कमिश्नर विश्वदीप ने अधिकारियों को प्रतिदिन नियमित सभी पानी टैंकों में जल का पूर्ण भराव किया जाना सुनिश्चित करने सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। निगम कमिश्नर ने निर्देश दिये कि बिना जीपीएस सिस्टम के कोई भी पानी टैंकर से जलापूर्ति ना की जाये। उन्होंने

कहा कि टैंकरों के पानी को बेचने की शिकायत मिलने पर संबंधित अधिकारी सीधे जिम्मेदार रहेंगे। निगम कमिश्नर ने निर्देश दिये कि जोन कमिश्नर अपने जोनों में विभिन्न निजी आवासीय सोसायटी में रहने वाले लोगों की संख्या और गर्मी में जल हेतु उनकी आवश्यक डिमांड की जानकारी शीघ्र प्राप्त करें ताकि योजना बनाकर सोसायटियों को पेयजल टैंकरो से मॉनिटरिंग कर व्यवहारिक आवश्यकतानुसार पेयजल आपूर्ति करवाने का कार्य किया जा सके।

मुख्य सचिव की बैठक, वन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी सुधारने के निर्देश



रायपुर। मुख्य सचिव ने वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कैम्पा मद के अंतर्गत वन क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं जैसे- पुल-पुलियाँ, मार्गों और आवश्यक भवनों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने विशेष रूप से नक्सल मुक्त हुए क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए, ताकि वहां शासन की पहुंच और विकास की गति बढ़ सके। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

छत्तीसगढ़ प्रतिकात्मक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) की नवमी बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से वर्ष 2024-25 और 2025-26 के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई तथा आगामी भविष्य की योजनाओं पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

आगामी कार्ययोजना (2026-27) वन विभाग के अधिकारियों ने बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2026-27 के लिए 713 करोड़ 73 लाख रुपये की वार्षिक कार्ययोजना को अनुमोदित कर भारत सरकार

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) को अंतिम स्वीकृति हेतु भेज दिया गया है। कैम्पा के प्रमुख कार्यक्षेत्र अधिकारियों ने बैठक में बताया कि कैम्पा मद का उपयोग निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यों के लिए किया जा रहा है। सिंचित व असिंचित वृक्षारोपण और बांस वनों की पुनर्स्थापना किया जा रहा है। वनों के घनत्व में वृद्धि हेतु सिल्वीकल्चरल का कार्य किया जा रहा है। वन्यप्राणियों के रहवास में सुधार और भू-जल संरक्षण के प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं।समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश मुख्य सचिव विकासशील ने आगामी मानसून को देखते हुए वन क्षेत्रों में चल रहे जरूरी कार्यों को बारिश शुरू होने से पहले शीघ्रता से पूर्ण करने की हिदायत दी है।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

सुशासन त्यौहार से जनता ने बनाई दूरी: दीपक बैज

रायपुर। साय सरकार के द्वारा मनाये जा रहे सुशासन त्यौहार से जनता ने दूरी बना लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार के सुशासन त्यौहार पर जनता को भरोसा नहीं है इसीलिए लोग अपनी समस्याओं को लेकर सरकार के कार्यक्रमों में आना नहीं चाह रहे हैं। पिछले बार सुशासन त्यौहार में लोगों ने जो आवेदन दिया था उसका निराकरण नहीं हुआ तथा जनता के आवेदनों को रद्दी की टोकरी में डाल दिया गया था,



इसीलिए जनता का सरकार पर से भरोसा उठ गया है, जो सुशासन त्यौहार में साफ दिख रहा है। मुख्यमंत्री सचिवालय पहले से पटकथा लिखकर मुख्यमंत्री के औचक निरीक्षण के कार्यक्रम को प्रायोजित किया जाता है जो जिसमें जनता की कोई रुचि नहीं रहती है। प्रदेश में सरकारी काम ठप्प पड़े है, अकेलो तहसीलो और अनुविभागों में नामांकन बंटवारा फौती नक्शा, नक्शा खसरा बंटवारा के 8 लाख से अधिक प्रकरण पेंडिंग है। यदि सरकार में सुशासन होता तो लोगों का काम नियमित हो रहा होता, तो त्यौहार मानाने की जरूरत क्यों पड़ती? यह सुशासन त्यौहार अपनी विफलता से ध्यान भटकाने का तरीका है। पिछले बार भी सुशासन त्यौहार मनाये थे और जनता से जो लाखों आवेदन प्राप्त हुए उसको कचरे के ढेर में फेंक दिए।

पद्मश्री सुरक्षित नहीं तो आम महिला का क्या होगा? : शुक्ला

रायपुर। बेहद चिंता का विषय है कि पद्मश्री फुलबासन बाई का अपहरण करने की कोशिश की गयी, ईश्वर का शुक्रिया है वह सुरक्षित है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य में जब पद्मश्री फुलबासन बाई सुरक्षित नहीं है तो आम महिला की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। छत्तीसगढ़ में आज महिलाएं बिल्कुल सुरक्षित नहीं हैं, रोज बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की घटनायें हो रही हैं। 5 साल



की मासूम बच्चियां के साथ दुराचार हो रहा है। आदिवासी बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं। छत्तीसगढ़ महिलाओं के लिए असुरक्षित हो गया है।भाजपा की सरकार बनने के बाद दो साल के अंदर 7146 बलात्कार की घटनाएं हुई हैं, इस हिसाब से रोज प्रदेश में 8 से 9 दुराचार की घटनाएं हो रही है। अर्थात् राज्य में हर 3 घंटे में एक महिला दुराचार की शिकार हो रही है। सरकारी आश्रम स्कूलों में नाबालिक बच्चियां गर्भवती हो रही हैं, जब पीड़िता थाने जाते हैं तो एफआईआर करके आरोपियों को गिरफ्तार करने के बजाए पीड़ितों को ही प्रताड़ित किया जाता है, उन्हें डराया, धमकाया जाता है। साय सरकार में प्रदेश की महिलाएं असुरक्षित हो गई हैं। प्रदेश की लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था पर भाजपा सरकार को बिल्कुल भी चिंता नहीं है।

पीडब्ल्यूडी में 50 लाख का टैंटर घोटाला : ठाकुर

रायपुर। पीडब्ल्यूडी में हुए 50 लाख के टैंटर घोटाला को गुजरात मॉडल करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि पीडब्ल्यूडी विद्युत विभाग ने 50 लाख रु. की एलईडी कलर लाइट लगाने 50 लाख रु. की टैंटर मंगवाई चार फर्म भाग ली जिसमें दो फर्म चर्यान्तित हुए लेकिन लेनदेन कर कार्यादेश उस फर्म को दिया गया जिसने टैंटर में भाग नहीं लिया और उस फर्म को पूरा भुगतान कर दिया गया। क्या यही



गुजरात मॉडल है, कमीशन दो टैंटर लो, ये तो टैंटर घोटाला हो गया। जब टैंटर प्रक्रिया में ही धांधली हो गई तो उस फर्म ने जो एलईडी कलर लाईट में कितनी गड़बड़ी की होगी? भाजपा सरकार में कमीशनखोरी का खेल जोरो पर है। हर टैंटर में गड़बड़ी, विभागीय खरीदी में गड़बड़ी भाजपा सरकार का मूल काम है। महिला बाल विकास विभाग में अभी साड़ी खरीदी में भारी झोलझाल हुआ है, बाजार मूल्य से ज्यादा में साड़ी खरीदी गई वो भी घटिया क्वालिटी की एवं लम्बाई में एक मीटर छोटी, 8 लाख की रौटी मशीन, 10 लाख की टीवी, 1500 रु. में एक जोड़ी चप्पल, 2000 के वर्मी बेंड को 16,500 रु. में, 40 हजार में जग की खरीदी के अलावा जंबुरी घोटाला, कन्या विद्या योजना में गड़बड़ी, दवा खरीदी में घोटाला ऐसा को जमाना नहीं बचा जहां भाजपा की भ्रष्टाचार की बू नहीं आ रही हो।

महंगाई राष्ट्रीय आपदा बन चुकी है, जनता त्रस्त हैं: वर्मा

रायपुर। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, असमानता और आर्थिक संकट के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि आम जनता महंगाई से त्रस्त है लेकिन भाजपा सरकार जवाबदेही से भाग रही है, आवश्यक वस्तुओं में अनियंत्रित मूल्यवृद्धि से हालात दिन ब दिन बदतर हो रहे हैं, महंगाई मोदी निर्मित आपदा बन चुकी है। 2014 में जो गैस



का सिलेंडर 410 रु. का था, आज वह 984 रु. के पार है, कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में सीधे 993 रुपए की बढ़ोतरी करके तीन हजार पार कर दिया गया। पेट्रोल के दाम 70 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 102 रु. प्रति लीटर के पार हो गए हैं जबकि डीजल के दाम 55 रु. प्रति लीटर से बढ़कर 100 रु. प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार देश को असमानता और कर्ज की आग में झोंका, दिया सिर्फ धना सौंर को मोका। हाल ही में आई 'ऑक्सफैम' की रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 5 प्रतिशत अमीर लोगों के पास देश की 60 प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति है और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास देश की मात्र 3 प्रतिशत संपत्ति।

नक्सल को जीवित रखने में कांग्रेस का हाथ: पुरंदर मिश्रा

रायपुर। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से एक तरफ भाजपा नेता जहां दगदग हैं, तो दूसरी ओर कांग्रेस के प्रति गुस्सा भी फूट रहा है. यह भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा के बयानों में साफ नजर आती है, जिसमें वे कांग्रेस को श्राप देते हुए कहा कि कांग्रेस ने 14 अगस्त की रात को भारत का बंटवारा किया. मैं श्राप देता हूँ कि भारत कांग्रेस मुक्त हो जाए, विधायक संगीता सिन्हा को छत्तीसगढ़ कांग्रेस का कार्यकारी



प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर पुरंदर मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस में जो ज्यादा बड़ा थैला देता है, उसे काम मिलता है. मगर विधायक संगीता सिन्हा विधानसभा में अच्छे मुद्दे उठाती हैं, इसलिए मैं उन्हें बधाई देता हूँ. इसके साथ प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को अर्बन नक्सली बताए जाने का समर्थन करते हुए पुरंदर मिश्रा ने कहा कि नक्सल को जीवित रखने में कांग्रेस का हाथ है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हठधर्मिता और केद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की नीतियों ने नक्सलवाद का सफाया किया. नक्सलमुक्त होने से बस्तर में टूरिज्म बढ़ेगा, सरकार की आय बढ़ेगी.विदेशी फंडिंग में छग में 12 से ज्यादा हतहह के जांच दायरे में आने पर पुरंदर मिश्रा ने कहा कि जो फंडिंग विदेश से आ रहा है, उसमें कुछ लोग स्पेसिफाई हुए हैं।

संवाद से समाधान

कमराखोल में मुख्यमंत्री ने दूर की बिजली बिल की चिंता

रायपुर। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय का 4 मई को सुदूर वर्नाचल ग्राम कमराखोल का दौरा आमजन के लिए राहत और विश्वास का संदेश लेकर आया। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आम पेड़ के नीचे आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री साय ने ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को आत्मीकता से सुना और मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यह दृश्य शासन और जनता के बीच विश्वास के मजबूत रिस्ते का जीवंत उदाहरण बन गया।

चौपाल के दौरान जब एक ग्रामीण ने बढ़ते बिजली बिल और बकाया राशि को लेकर अपनी



चिंता व्यक्त की, तो मुख्यमंत्री ने उसे बीच में ही आश्वस्त करते हुए कहा डू परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपको सरकार आपके साथ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की बिजली बिल भुगतान समाधान योजना आर्थिक रूप से

कमजोर परिवारों को राहत देने के उद्देश्य से लागू की गई है, जिसके तहत पुराने बकाया बिलों में व्यापक छूट प्रदान की जा रही है। घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ कृषि पंप धारकों को भी योजना का लाभ मिल रहा है, जबकि बीपीएल

परिवारों के लिए विशेष रियायतों का प्रावधान किया गया है।

मौके पर निर्देश

मुख्यमंत्री साय की कार्यशैली केवल आश्वासन तक सीमित नहीं रही। उन्होंने तत्काल कलेक्टर को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएं, ताकि कमराखोल सहित आसपास के गांवों के लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और समस्याओं का समाधान उनके अपने गांव में ही हो सके। इस दौरान कलेक्टर श्री गोपाल वर्मा ने जानकारी दी कि जिले में अब तक 13 हजार से अधिक उपभोक्ता इस योजना से

लाभान्वित हो चुके हैं और उन्हें कुल 11.75 करोड़ रुपये से अधिक की छूट प्रदान की जा चुकी है।

सुशासन का जीवंत उदाहरण बना कमराखोल

कमराखोल की इस चौपाल ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब शासन का नेतृत्व सीधे जनता से संवाद करता है, तो जटिल समस्याओं का समाधान भी सरल हो जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सुशासन केवल योजनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि उन्हें अंतिम व्यक्ति तक सहजता से पहुंचाने की प्रतिबद्धता का नाम है।

डांस कांपीटिशन में बच्चों ने शानदार प्रस्तुति देकर रंग जमाया...

रायपुर।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित प्रेरणा समर कैम्प में नृत्य स्पर्धा के अन्तर्गत स्कूली बच्चों ने शानदार प्रस्तुति देकर मन मोह लिया।आज सभा में बच्चे नृत्य स्पर्धा में भाग लेने रंग-बिरंगे ड्रेस में सज-धजकर उपस्थित हुए थे। वह लोग अपनी वेशभूषा से लोगों को आकर्षित तो कर ही रहे थे साथ ही सभागृह की शोभा को भी बढ़ा रहे थे। विशेष बात यह रही कि डांस के स्टेप बच्चों ने खुद तैयार किए थे। नृत्य स्पर्धा के निर्णायक के रूप में ब्रह्माकुमारी रश्मि दीदी और स्नेहा दीदी उपस्थित थीं।सबसे पहले कु. अमृता खत्री और स्वरा बेलानी ने



ब्रह्माकुमारीज समर कैम्पा

पंजाबी गीत रंग दे बसन्ती पर पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर सबको ताली बजाते पर मजबूर कर दिया।

उनके नृत्य की लय, ताल और उत्साह ने दर्शकों को झुमने पर मजबूर कर दिया।उसके बाद कु. सिया साहू ने धार्मिक भजन वाहे रे मेरे बाबा...गीत पर नृत्य कर खूब वाहवाही लूटी।कु. कु. नूर फातिमा और कु. अतिफा अतिमा ने कंधों से कंधे मिलते हैं... गीत पर सधे हुए अन्दाज में नृत्य पेश किया। कु. परीणिता साहू ने भी देशभक्ति पर आधारित गीत पर सुन्दर नृत्य प्रदर्शित कर सबको भाव विभोर कर दिया। इसके पहले सत्र में ब्रह्माकुमारी सिमरन दीदी ने अपने प्रेरक उद्धोहन में बच्चों को रचनात्मक बनने, अच्छे संस्कार अपनाने और आत्म विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।